राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

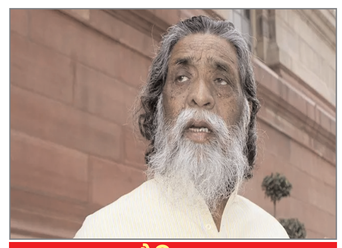

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, गुरुवार, 29 जनवरी 2026
वर्ष 14,अंक 279, पृष्ठ 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

नल रिबोर का कबाड़ खा गए जिम्मेदार...03

हमारा संविधान हमारे अधिकार देने के साथ हमारे कर्तव्य भी तय करता है- पीके सिंह...04

केंद्र सरकार के 'गले की फांस' बना यूजीसी का नया नियम, अब आगे क्या होगा?

यूजीसी के इक्विटी नियमों के खिलाफ सामान्य वर्ग का आक्रोश देशभर में फैल रहा है, जिसमें छात्र और संगठन सड़कों पर उतर आए हैं. शिक्षा मंत्री ने छात्रों को आश्वासन दिया कि किसी के साथ गलत नहीं होगा पर असंतोष जारी है. यह मुद्दा सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गया है

यूजीसी के नियम की की आग शहर-शहर फैलती जा रही है. क्या लखनऊ, क्या दिल्ली...अब तो देशभर में हंगामे का एक्सटेंशन हो चुका है. इस्तीफे हो रहे हैं. सामान्य वर्ग आगबबूला है. सड़कों पर मोर्चा निकल रहा है. लिहाजा सरकार को भी सामने आकर सफाई देनी पड़ी. सामान्य वर्ग की तरफ से देशभर में बन रहे दबाव और आक्रोश के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने छात्रों को आश्वासन दिया कि किसी के साथ गलत नहीं होगा। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने स्पष्ट किया, भेदभाव के नाम पर नियमों का गलत इस्तेमाल नहीं होने देंगे. यूजीसी, भारत सरकार और राज्य सरकार की पूरी जिम्मेदारी है. किसी के साथ अत्याचार, भेदभाव नहीं किया जाएगा. उधर, सोशल मीडिया पर जारी हलचल के बीच जनरल कैटेगरी के छात्र आज सड़कों पर उतर आए, जिसकी तस्वीर आज यूपी-राजस्थान से दिल्ली तक दिखी.

'काला कानून वापस लो' के नारे

विरोध की तस्वीरें लखनऊ यूनिवर्सिटी से आई जहां छात्रों ने धरना दिया. यूजीसी के खिलाफ नारा बुलंद किया. काला कानून वापस लो के नारे लगाए गए. पुलिस की मौजूदगी में काफी देर तक हंगामा होता रहा. प्रयागराज में तो बीजेपी युवा मोर्चा के कार्यकर्ता ही सड़कों पर उतर आए. तिरंगे के साथ उन्होंने जुलूस निकाला. कानून वापस लेने तक इसी तरह विरोध की चेतावनी दी गई. उनके अलावा सवर्ण आर्मी ने भी कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया।

प्रयागराज में छात्रों को हाईकोर्ट के वकीलों का भी साथ मिला. वकीलों ने भी पुतला जलाकर यूजीसी के विवादित नियम के खिलाफ अपना विरोध जताया. सरकार के खिलाफ नारे भी लगाए. यूपी की तरह दिल्ली में भी सवर्ण समाज के छात्र एक्शन में दिखे. ये लोग सीधे यूजीसी के दफ्तर पहुंच गए और वहीं पर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया. सवर्ण समाज के प्रतिनिधियों ने यूजीसी के चेयरमैन विनीत जोशी से मुलाकात की।

कानून वापस लेने के लिए अल्टीमेटम

उन्हें कानून वापस लेने के लिए 15 दिन का अल्टीमेटम दिया गया है. विरोध की ऐसी तस्वीरें कई दूसरे शहरों से भी आई. सवर्ण समाज ने 26 जनवरी को प्रदर्शन की चेतावनी दी थी. इससे आप समझ सकते हैं कि गुस्सा किस कदर भड़क चुका है. आग कितनी फैल चुकी है। वहीं सरकार फूंक फूंककर कदम रख रही है. बयान भी काफी संभलकर दिया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय से जब इस पर सवाल हुआ तो वो जवाब देने के बजाए भगवान के जयकारे लगाने लगे. जगह जगह प्रदर्शन और विरोध की बढ़ती आवाज के बाद आज इस मुद्दे पर केंद्र की सफाई के साथ विपक्ष की राय भी आई. केंद्र सरकार जहां किसी के साथ भेदभाव नहीं होने का भरोसा दे रही है तो कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने चुटकी लेते हुए कहा कि यूजीसी के मुद्दे पर सरकार के अंदर ही विरोध है।

असमानता दूर करने के लिए और असमानता

शिवसेना उद्धव गुट ने इस नियम का विरोध जताया. पार्टी सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, असमानता दूर करने के लिए और असमानता हो रही है. उधर, कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई ने यूजीसी के नियम का स्वागत किया है. एनएसयूआई के मुताबिक उच्च शिक्षा में हर प्रकार के भेदभाव पर हमें खुलकर सामूहिक रूप से बोलना चाहिए और इसे समाप्त करने की दिशा में कदम उठाने चाहिए।

जाहिर है राजनीतिक दलों की राय पॉलिटिकल नफा नुकसान के आधार पर बंटी हुई दिख रही है. ये मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच चुका है. केंद्र ने नए यूजीसी नियमों पर अटॉर्नी जनरल आर वेकंटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से परामर्श किया है. नए नियमों के अलग-अलग पहलुओं पर सरकार ने दोनों कानूनविदों से अहम सलाह ली है।

सर्वोच्च अदालत में 20 याचिकाएं

बता दें इस नियम के खिलाफ सर्वोच्च अदालत में कुल 20 याचिकाएं दाखिल की गई हैं. याचिकाओं में तर्क दिया गया है कि अन्य वर्गों को इक्विटी कमेटी से बाहर रखना अनुच्छेद 14, 15 और 21 का उल्लंघन है. अब आइए जान लेते हैं कि यूजीसी इक्विटी विनियम के किन प्रावधानों पर ऐतराज है।

पहला- यूनिवर्सिटीज़ में भेदभाव रोकने के लिए जो इक्विटी समितियाँ बनेगी, उसमें एससी/एसटी और ओबीसी का प्रतिनिधित्व तो है लेकिन सामान्य वर्ग के लिए कोई प्रतिनिधित्व नहीं है।

दूसरा- एससी/एसटी/ओबीसी के खिलाफ होने वाले भेदभाव से तो सुरक्षा दी जा रही है लेकिन सामान्य वर्ग के खिलाफ होने वाले भेदभाव को रोकने के उपाय नहीं है।

तीसरा- झूठी शिकायत करने वालों के लिए सज़ा का प्रावधान नहीं, ऐसे में इसके दुरुपयोग की डर है।

चौथा- विरोध करने वालों का ये भी तर्क है सामान्य बातचीत या अकादमिक बहस तक को भेदभाव बताया जा सकता है, इससे रोकने का भी कोई उपाय नहीं है।

पांचवां- यूनिवर्सिटी में छात्रों के जातिगत आधार पर बंटने का डर है।

अजित पवार का निधन, विमान हादसे में गई महाराष्ट्र डिप्टी सीएम की जान

●NCPके प्रमुख अजित पवार का निधन हो गया है। बुधवार सुबह उनका प्लेन क्रैश हुआ था, जिसमें उनकी जान चली गई। महाराष्ट्र के बारामती में ये हादसा हुआ। प्लेन जब लैंड कर रहा था उसी दौरान ये घटना घटी। विमान जलकर खाक हो गया है। विमान में 5 लोग सवार थे. हादसे में सभी की मौत हो गई।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और ह्र्ष्क्क के प्रमुख अजित पवार (66 वर्ष) का निधन हो गया है. न्यूज एजेंसी पीटीआई ने ये जानकारी दी. प्लेन क्रैश में अजित पवार की जान गई. महाराष्ट्र के बारामती में बुधवार सुबह 8 बजकर 45 मिनट पर ये हादसा हुआ. विमान में सवार सभी 5 लोगों की मौत हो गई. अजित पवार बारामती में जनसभा करने जा रहे थे. प्लेन जब बारामती में लैंड कर रहा था उसी दौरान ये घटना घटी।

विमान पूरी तरह से जलकर खाक हो गया. जानकारी के मुताबिक, ये अजित पवार का निजी विमान था. प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां ??मौके पर पहुंच गई हैं और हालात का जायजा ले रही हैं।

कैसे हुआ हादसा?

प्लेन में कुल 5 लोग सवार थे. लो विजिबिलिटी के कारण ये घटना घटी. हादसा भयावह था. दुर्घटना के बाद क्षेत्र में धुआं फैल गया. अजित पवार आज सुबह मुंबई से बारामती के लिए विशेष विमान से रवाना हुए थे. बारामती में जिला परिषद चुनाव के लिए प्रचार सभाएं आयोजित की जा रही थीं. बारामती तहसील में अलग-अलग जिला परिषद चुनाव क्षेत्र में आज जिला परिषद की 4 रैलियां थी विमान में अजित पवार के साथ उनके सुरक्षाकर्मी और सहायक भी थे. कई कार्यकर्ता और अजित पवार के करीबी सहयोगी भी घटनास्थल पर मौजूद थे।

विमान में कौन-कौन सवार था?

प्लेन में महाराष्ट्र के डिप्टी ष्टरू अजीत पवार, 2 और लोगों (1 PSO और 1 अटेंडेंट) और 2 क्रू (PIC+FO) के सदस्यों के साथ थे. शुरुआती जानकारी के मुताबिक, प्लेन में सवार कोई भी व्यक्ति क्रैश में नहीं बचा है।

चाचा शरद पवार से सीखी राजनीति की ABCD

अजित पवार ने राजनीति का ककहरा चाचा शरद पवार से सीखा था. वह पिछले 4 दशक से महाराष्ट्र की राजनीति का अहम चेहरा रहे. अजित राज्य के 8वें उपमुख्यमंत्री थे और उन्होंने अलग-अलग सरकारों में मंत्री के रूप में काम किया।

अपने समर्थकों के बीच दादा के नाम से पुकारे जाने वाले, अजित पवार ने 1980 के दशक में चाचा शरद की छत्रछाया में राजनीति में कदम रखा था. साल 1991 में उन्हें पहली चुनावी सफलता तब मिली, जब उन्होंने बारामती लोकसभा सीट पर जीत हासिल की. हालांकि, उन्होंने कुछ समय बाद ही अपने चाचा के लिए पद से इस्तीफा दे दिया. फिर शरद ने यहां के उपचुनाव में जीत हासिल की और पीवी नरसिम्हा राव की तत्कालीन केंद्र सरकार में रक्षा मंत्री बने।

इसी साल, अजित अपने परिवार के गढ़ बारामती विधानसभा सीट से मैदान में उतरे और विधायक चुने गए. और 7 बार उस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया. उन्होंने 2019 का विधानसभा चुनाव 1.65 लाख से अधिक वोटों के अंतर से जीता।

संक्षिप्त ख़बरें

यूजीसी के 'उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्धन हेतु विनियम, 2026' का उद्देश्य सराहनीय, परंतु विनियमों में स्पष्टता और संतुलन आवश्यकः अभाविप

कानपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप), विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी अधिसूचना 'विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्धन हेतु) विनियम, 2026' के मूल उद्देश्यों की सराहना करती है, परंतु इन विनियमों में स्पष्टता और संतुलन अत्यंत आवश्यक है।अभाविप का मानना है कि यूजीसी तथा सभी शैक्षणिक संस्थानों को लोकतंत्र में अंतर्निहित भावना को अक्षुण्ण रखना चाहिए, जहाँ प्रत्येक नागरिक के पास समान अधिकार हों और भारत भेदभाव मुक्त तथा समता युक्त बने। अभाविप सदैव ही शैक्षिक परिसरों में सकारात्मक और समतायुक्त परिवेश बनाने की दिशा में कार्य करती रही है और लोकतांत्रिक मूल्यों के संवर्धन की पक्षधर रही है। आगामी वर्षों में 'विकसित भारत' की संकल्पना को सिद्ध करने के लिए हम सभी को सामूहिक प्रयास करने की आवश्यकता है।

वर्तमान में इस विनियम के कुछ प्रावधानों और शब्दावली को लेकर समाज, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के बीच जो अस्पष्टता और भ्रांतियाँ उत्पन्न हो रही हैं, इनपर यूजीसी को त्वरित संज्ञान लेते हुए तत्काल कार्यवाही करनी चाहिए ताकि किसी भी प्रकार की विभाजनकारी स्थिति उत्पन्न न हो सके। ध्यातव्य हो, यह विषय वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है अतः अभाविप का मानना है कि यूजीसी को इस संदर्भ में अपना पक्ष स्पष्ट करते हुए न्यायालय में शीघ्र हलफनामा दाखिल करना चाहिए। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि, 'शैक्षणिक परिसरों में सौहार्द एवं समानता सुनिश्चित किया जाना अनिवार्य है, जिसके लिए अभाविप ने सदैव प्रयास किए हैं। शैक्षणिक परिसरों में सभी वर्गों के लिए सामाजिक समानता होनी चाहिए तथा परिसरों में किसी भी प्रकार के भेदभावों के लिए कोई स्थान नहीं हैं। इस विनियम को लेकर विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं हितधारकों के मध्य भ्रांतियाँ व्याप्त हैं, जिन पर यूजीसी को सभी हितधारकों से संवाद करते हुए संबंधित भ्रांतियों को दूर करने हेतु तत्काल स्पष्टीकरण देना चाहिए। लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने तथा सभी विद्यार्थियों के लिए भेदभाव-मुक्त वातावरण सुनिश्चित करने हेतु समाज के सभी वर्गों के सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं।

उत्तर-पूर्व जिला साइबर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, बिहार के भागलपुर से दो साइबर ठग गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली, 27 जनवरी 2026: उत्तर-पूर्व जिला दिल्ली पुलिस की साइबर पुलिस स्टेशन टीम ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए बिहार के भागलपुर से दो शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों ने ऑनलाइन ठगी के माध्यम से लाखों रुपये की धोखाधड़ी को अंजाम दिया था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 2,35,000 की ठगी की गई नकद राशि, अपराध में इस्तेमाल किया गया एक मोबाइल फोन तथा अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज भी बरामद किए हैं। इस संबंध में साइबर पुलिस स्टेशन, उत्तर-पूर्व जिला में ई-एफआईआर संख्या 00082/25 भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 308/318(4)/319/340 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता, जो उत्तर-पूर्व दिल्ली का निवासी है, ने पुलिस को बताया कि अज्ञात साइबर ठगों ने नेट बैंकिंग के माध्यम से उसके बैंक खाते में अनधिकृत रूप से प्रवेश कर कुल ?5,81,775 की ऑनलाइन ठगी की है। शिकायत मिलने के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच शुरू की गई।

मामले की जांच के लिए निरीक्षक राहुल कुमार, एसएचओ, साइबर पुलिस स्टेशन-उत्तर-पूर्व जिला के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। जांच के दौरान टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, डिजिटल ट्रेल और अन्य महत्वपूर्ण सुरागों को एकत्र किया। लगातार विश्लेषण और तकनीकी निगरानी के आधार पर पुलिस टीम आरोपियों तक पहुंचने में सफल रही और बिहार के भागलपुर जिले से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पितांबर कुमार (29 वर्ष), पुत्र यमुना यादव, निवासी परबत्ती, भागलपुर, बिहार तथा विकास कुमार (29 वर्ष), पुत्र स्वर्गीय मुन्ना मंडल, निवासी खरमन चक, भागलपुर, बिहार के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने खुलासा किया कि वे लोगों के मोबाइल फोन पर फर्जी और दुर्भावनापूर्ण एपीके (APK) फाइल भेजते थे। जैसे ही पीड़ित इन फाइलों को डाउनलोड करता था, आरोपियों को उसके बैंकिंग क्रेडेंशियल्स तक पहुंच मिल जाती थी, जिसके बाद वे खाते से पैसे निकाल लेते थे। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने 2,35,000 की ठगी की गई नकद राशि, एक मोबाइल फोन जिसका उपयोग अपराध में किया गया था, तथा अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए हैं। पुलिस का मानना है कि यह गिरोह अन्य मामलों में भी शामिल हो सकता है और इस संबंध में आगे की जांच की जा रही है। उत्तर-पूर्व जिला पुलिस अधिकारियों ने आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी अनजान लिंक, एपीके फाइल या संदिग्ध कॉल से सतर्क रहें और अपनी बैंकिंग जानकारी किसी के साथ साझा न करें। इस सफल कार्रवाई से एक बार फिर दिल्ली पुलिस की साइबर अपराध के खिलाफ प्रतिबद्धता और तत्परता सामने आई है।

पांच दिवसीय कार्य सप्ताह की मांग को लेकर यूपी ग्रामीण बैंक में रही हड़ताल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस द्वारा आहूत राष्ट्रव्यापी हड़ताल के आह्वान पर उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सेवानिवृत्त कार्मिकों ने 5 दिवसीय कार्य सप्ताह की मांग को लेकर एक दिवसीय हड़ताल की। इस आंदोलन को आरआरबी शीर्ष यूनियन का पूर्ण सहयोग एवं सक्रिय समर्थन प्राप्त रहा।इस अवसर पर संगठन के नेताओं ने कहा कि देश की लगभग सभी सरकारी एवं अर्धसरकारी संस्थाओं में 5 दिन का कार्य सप्ताह लागू है, लेकिन केवल बैंक कर्मचारियों को इससे वंचित रखना घोर अन्याय और भेदभावपूर्ण नीति को दर्शाता है। लगातार बढ़ते कार्यभार, गंभीर स्टाफ की कमी और लंबे कार्य समय के कारण बैंक कर्मियों का जीवन संतुलन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है, जो कर्मचारियों के शोषण का द्योतक है। इसके बावजूद सरकार एवं बैंक प्रबंधन द्वारा इस न्यायोचित मांग की लगातार अनदेखी की जा रही है, जिससे कर्मचारियों में भारी आक्रोश है।हड़ताल के दौरान उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक सेवानिवृत्त कर्मचारी कल्याण समिति से सर्वश्री एमके सिंह, डीपी सिंह, एसएन मिश्रा, एपी सिंह, शैलेंद्र सिंह,वीपी त्रिपाठी तथा इंप्लाइज यूनियन से आकाश श्रीवास्तव,सुमित झा, अरुण श्रीवास्तव,अमित पांडेय,परीक्षित पाल एवं उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक ऑफिसर्स यूनियन से आनंद केसरी व राजन तिवारी सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त कर्मचारी मौजूद रहे। नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही 5 दिवसीय कार्य सप्ताह की मांग पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और अधिक व्यापक व तीव्र रूप दिया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार एवं बैंक प्रबंधन की होगी।

पति से झगड़े के बाद महिला ने लगाई फंदा, मौत

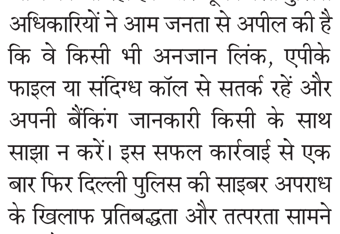

हमीरपुरः- सुमेरपुर थानाक्षेत्र के ग्राम बड़ाकछार गांव में सोमवार के दिन पति से झगड़ने के बाद पत्नी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। अचानक हुई इस घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। मृतका अपने पीछे दो छोटे बच्चों को छोड़ गई है। बीते सोमवार को सुबह 10:00 बजे बडाकछार निवासी राजकुमार निषाद की पत्नी मालती निषाद 30 वर्ष ने पति से झगड़ने के बाद घर पर ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मंगलवार को पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों के सुपुर्द किया है। मृतका अपने पीछे पुत्री मधु 5 वर्ष, पुत्र राज 2 वर्ष को रोता बिलखता छोड़ गई है। थानाध्यक्ष अनूप सिंह ने बताया प्रथम दृष्टया घटना गृहकलह के चलते हुई है अभी तहरीर नहीं मिली अगर तहरीर मिलती है तो जांच कराकर विधिक कार्यवाही करेंगे। प्रधान प्रतिनिधि रामफूल निषाद ने बताया कि घटना ग्रह कलह के चलते हुई है।

नवीन परती भूमि पर चला प्रशासन का बुलडोजर अवैध रूप से बनाई थी 6 दुकानें व मकान, प्रशासन ने किया जमींदोज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के लहरपुर कोतवाली के नगर के मोहल्ला ठठेरी टोला स्थित ब्लॉक संसाधन केंद्र (बीआरसी) के निकट अवैध अतिक्रमण कर बनाए गए मकान व दुकानों पर मंगलवार को प्रशासन का बुलडोजर चला। कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। यह कार्रवाई नवीन परती भूमि गाटा संख्या 1822 पर किए गए अवैध निर्माण को लेकर की गई। प्रशासन के अनुसार उक्त भूमि पर लच्छन नगर निवासी अज़ीमुल्ला पुत्र उमराव द्वारा अवैध रूप से छह दुकानों का निर्माण कराया गया था, जिनके ऊपर मकान भी बनाया गया था। यह निर्माण बिना किसी वैध अनुमति के सरकारी भूमि पर किया गया था मामले को संज्ञान में लेते हुए तहसीलदार न्यायालय द्वारा अतिक्रमण हटाने के आदेश जारी किए गए थे, जिसके अनुपालन में मंगलवार को ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के दौरान राजस्व विभाग की टीम और पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो बुलडोजर की कार्रवाई शुरू होते ही आसपास के लोग बड़ी संख्या में वहां एकत्र हो गए, जिससे कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि प्रशासन की सख्ती और मौजूदगी के चलते कार्रवाई शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराई गई तहसीलदार मनीष त्रिपाठी ने बताया कि अवैध अतिक्रमण हटाकर लगभग 55 लाख रुपए मूल्य की संपत्ति को मुक्त कराया गया है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। क्षेत्र में इस प्रकार के अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी तहसीलदार ने लोगों से अपील की कि किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य करने से पहले वैध अनुमति अवश्य प्राप्त करें, ताकि भविष्य में इस तरह की कार्रवाई से बचा जा सके। इस कार्रवाई के दौरान प्रमुख रूप से राजस्व निरीक्षक अमर सिंह, लेखपाल आलोक श्रीवास्तव, राहुल यादव सहित राजस्व विभाग की टीम मौके पर मौजूद रही और पूरी कार्रवाई की निगरानी की गई!!

वरिष्ठ पत्रकार रामकिशोर त्रिवेदी को मातृशोक

लालगंज (रायबरेली)। वरिष्ठ पत्रकार रामकिशोर त्रिवेदी की पूज्य माताजी स्वर्गीय गोमती त्रिवेदी का 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही पत्रकारिता जगत में शोक की लहर दौड़ गई। राजनीतिक और सामाजिक संगठनों ने भी गहरा दुख व्यक्त किया। स्वर्गीय गोमती त्रिवेदी धर्मपरायण और सुसंस्कृत व्यक्तित्व की धनी थीं। वे सामाजिक मूल्यों और पारिवारिक संस्कारों की मजबूत आधार थीं। उनका जीवन त्याग, संयम और नैतिकता का उदाहरण रहा। उन्होंने सदैव पारिवारिक एकता और सामाजिक सौहार्द को महत्व दिया। मूलतः सातनपुर गांव निवासी रामकिशोर त्रिवेदी वरिष्ठ और अनुभवी पत्रकार हैं। उन्होंने वर्षों तक निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता की। उनके कार्यों से समाज और लोकतंत्र को मजबूती मिली। इसी कारण माताजी के निधन पर कई वरिष्ठ पत्रकारों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने शोक व्यक्त किया। कई गणमान्य लोगों ने फोन पर शोक-संवेदना प्रकट की। सभी ने इस क्षति को अपूरणीय बताया। लोगों ने कहा कि स्वर्गीय गोमती त्रिवेदी जैसी माताएं समाज की मौन शक्ति होती हैं। उनके संस्कारों से ही जिम्मेदार और जनपक्षधर पत्रकार तैयार होते हैं। उनके निधन को सामाजिक चेतना की बड़ी क्षति माना गया।

गन्ने के खेत में मिले युवक के शव की हुई शिनाख्त मामा के घर जाते समय हादसा, मिर्गी बीमारी का शिकार था युवक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के इमलिया सुल्तानपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बख्तावरपुर में 24 घंटे पहले गन्ने के खेत में मिले अज्ञात युवक के शव की पहचान हो गई है। मृतक की शिनाख्त रामकोट थाना इलाके के ग्राम यशोदानगर निवासी कन्हैया लाल पुत्र राम खेलावन के रूप में हुई है युवक की पहचान सोशल मीडिया पर प्रसारित खबरों और स्थानीय स्तर पर मिले इनपुट के आधार पर की गई। परिजनों के अनुसार कन्हैया लाल कुछ दिन पहले इमलिया क्षेत्र में स्थित अपने मामा के घर आया हुआ था। बताया गया कि वह मिर्गी की बीमारी से पीड़ित था और इसी कारण उसका इलाज भी चल रहा था। घटना के बाद से ही परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। जैसे ही सोशल मीडिया पर शव मिलने की सूचना और तस्वीरें सामने आई, परिजन मौके पर पहुंचे और शव की पहचान की। गौरतलब है कि सोमवार को राहगीरों ने गन्ने के खेत में युवक का शव पड़ा देखा था, जिसके पास उसकी साइकिल भी पड़ी मिली थी।

शव की स्थिति काफी संदिग्ध थी क्योंकि युवक के दोनों पैर साइकिल में फंसे हुए पाए गए थे। राहगीरों की सूचना पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची थी और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की थी पुलिस की प्रारंभिक जांच में मृतक के शरीर पर किसी प्रकार के बाहरी चोट या संघर्ष के निशान नहीं मिले हैं। ऐसे में पुलिस हत्या और हादसे, दोनों ही बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। मिर्गी की बीमारी को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि संभवतः युवक को दौरा पड़ा हो, जिससे वह दुर्घटना का शिकार हो गया हो, हालांकि इस बात की पुष्टि अभी नहीं हो सकी है फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही युवक की मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है और मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है!!

वैश्विक भय की चमक: क्यों रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं सोना और चांदी

[मुद्राओं की कमजोरी और सोना-चांदी का बढ़ता प्रभुत्व]

[संकट की भाषा बोलती चमक: सोना और चांदी का नया दौर]

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में सोना और चांदी की ऐतिहासिक ऊंचाइयां केवल बाजार की खबर नहीं बल्कि बदलती हुई वैश्विक चेतना का स्पष्ट संकेत बन चुकी हैं। यह तेजी किसी अचानक उत्साह का परिणाम नहीं बल्कि लंबे समय से जमा होते भय असुरक्षा और अविश्वास का विस्फोट है। जब दुनिया का आर्थिक तंत्र डगमगाने लगता है तब निवेशक लाभ की संभावनाओं से अधिक सुरक्षा की तलाश में निकल पड़ते हैं। आज वही स्थिति दिखाई दे रही है। शेयर बाजारों की अस्थिरता और मुद्राओं की कमजोरी ने लोगों को सदियों पुराने भरोसे की ओर लौटने के लिए मजबूर किया है। सोना और चांदी की चमक दरअसल इस बात का प्रमाण है कि वैश्विक व्यवस्था पर विश्वास कमजोर पड़ चुका है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव इस तेजी की सबसे बड़ी वजह बनकर उभरे हैं। अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध की नई परतें यूरोप की राजनीतिक अस्थिरता मध्य पूर्व में लगातार सुलगते संघर्ष और लैटिन अमेरिका के संकट ने वैश्विक बाजारों में भय का वातावरण बना दिया है। निवेशक अब यह मानने लगे हैं कि आने वाला समय टकराव और अनिश्चितता से भरा हो सकता है। ऐसे माहौल में जोखिमपूर्ण परिसंपत्तियां आकर्षण खो देती हैं। पूंजी स्वभाव से ही डरपोक होती है और खतरे की आहट मिलते ही सुरक्षित ठिकानों की ओर भागती है। सोना और चांदी इसी डर का स्वाभाविक आश्रय बनते हैं। यह तेजी बताती है कि दुनिया स्थिरता नहीं बल्कि सुरक्षा खोज रही है।

केंद्रीय बैंकों की रणनीति ने इस प्रवृत्ति को और मजबूती प्रदान की है। जब देश अपनी मुद्रा और आर्थिक संप्रभुता को लेकर चिंतित होते हैं तब वे सोने की ओर लौटते हैं। बड़े पैमाने पर सोने की खरीद केवल निवेश नहीं बल्कि एक रणनीतिक संदेश होती है। यह संकेत देता है कि वैश्विक वित्तीय व्यवस्था में तनाव बढ़ सकता है। जब केंद्रीय बैंक सोने को प्राथमिकता देते हैं तब बाजार को यह स्पष्ट संदेश मिलता है कि भविष्य में मुद्रा जोखिम गहरा सकता है। आम निवेशक भी इस संकेत को समझता है और उसी दिशा में कदम बढ़ाता है। इस सामूहिक विश्वास से कीमतें केवल मांग के कारण नहीं बल्कि मनोवैज्ञानिक मजबूती के कारण भी बढ़ती हैं।

चांदी की तेजी इस पूरी कहानी में एक नया और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ती है। यह धातु अब केवल सुरक्षित निवेश का साधन नहीं रही बल्कि आधुनिक तकनीकी विकास की अनिवार्य जरूरत बन चुकी है। सौर ऊर्जा इलेक्ट्रिक वाहन डिजिटल उपकरण और औद्योगिक उत्पादन में चांदी की मांग तेजी से बढ़ रही है। वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन ने इसकी उपयोगिता को कई गुना बढ़ा दिया है। दूसरी ओर आपूर्ति सीमित है जिससे कीमतों पर दबाव स्वाभाविक रूप से बढ़ता है। निवेशक अब चांदी को केवल संकट में सुरक्षा नहीं बल्कि भविष्य के विकास का माध्यम भी मान रहे हैं। यही दोहरी भूमिका इसकी कीमतों को और अधिक अस्थिर लेकिन आकर्षक बना रही है।

आर्थिक अनिश्चितता और मौद्रिक नीतियों की दुविधा ने इस उछाल को और गहराई दी है। मुद्रास्फीति की मार और ब्याज दरों को लेकर असमंजस ने कागजी मुद्रा की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जब लोगों को लगता है कि उनकी मुद्रा धीरे धीरे मूल्य खो रही है तब वे ठोस संपत्तियों की ओर रुख करते हैं। सोना और चांदी इस संदर्भ में मूल्य संरक्षण का सबसे पुराना और भरोसेमंद साधन माने जाते हैं। यह केवल आर्थिक गणना नहीं बल्कि मानसिक सुरक्षा की तलाश है। लोग भविष्य को लेकर चिंतित हैं और वर्तमान में अपने धन को सुरक्षित रखना चाहते हैं। यही भावना इस रिकॉर्ड तेजी की असली ऊर्जा बन चुकी है।

भारतीय बाजार में इस तेजी का प्रभाव केवल निवेश तक सीमित नहीं है बल्कि सामाजिक जीवन को भी गहराई से प्रभावित कर रहा है। सोना भारतीय संस्कृति में केवल धातु नहीं बल्कि परंपरा और भावनाओं का प्रतीक है। शादी विवाह और त्योहारों से जुड़ी उम्मीदें अब महंगाई की दीवार से टकरा रही हैं। आम परिवार के लिए आभूषण खरीदना पहले से कहीं अधिक कठिन हो गया है। इसके बावजूद निवेश के स्तर पर यह समय अवसर भी प्रस्तुत करता है। डिजिटल गोल्ड सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड और अन्य वित्तीय विकल्पों ने निवेश को पहले से अधिक सुलभ बना दिया है। लोग धीरे धीरे भौतिक संग्रह से अधिक वित्तीय सुरक्षा की ओर बढ़ रहे हैं।

हालांकि इतनी ऊंची कीमतों पर निवेश करते समय सावधानी अनिवार्य हो जाती है। बाजार भावनाओं से चलता है और भावनाएं तेजी से बदल सकती हैं। वैश्विक तनाव यदि किसी मोड़ पर कम होता है तो कीमतों में उतार चढ़ाव भी आ सकता है। इसलिए विवेक संतुलन और दीर्घकालिक दृष्टि सबसे जरूरी है। सोना और चांदी को त्वरित लाभ के साधन की बजाय सुरक्षा कवच के रूप में देखना अधिक उचित होगा। यह समय लालच से अधिक समझदारी की परीक्षा है। जो निवेशक भावनाओं के बजाय रणनीति के साथ कदम रखेंगे वही इस दौर से लाभ उठा पाएंगे।

समग्र रूप से देखा जाए तो सोना और चांदी की यह ऐतिहासिक चमक बाजार का संयोग नहीं बल्कि समय की चेतावनी है। यह बताती है कि वैश्विक व्यवस्था भीतर से अस्थिर है और भरोसा लगातार कमजोर हो रहा है। जब दुनिया आश्वस्त होती है तब जोखिम आकर्षक लगते हैं और जब दुनिया डगमगाती है तब सुरक्षा की चमक बढ़ जाती है। आज वही दौर चल रहा है। यह तेजी संकट की गहराई को भी दर्शाती है और अवसर की संभावना को भी। निवेशकों के लिए यह समय धैर्य विवेक और दूरदृष्टि का है। सोना और चांदी आज केवल आभूषण या निवेश नहीं बल्कि वैश्विक मनोदशा के सबसे सशक्त संकेतक बन चुके हैं।

प्रो. आरके जैन

भारत का 77 वां गणतंत्र बनाम स्त्री विमर्श

महिलाओं को सहभागिता तथा अस्मिता की तलाश।

भारत के 77वें गणतंत्र में प्रवेश करते हुए जब हम लोकतांत्रिक व्यवस्था की पड़ताल करते हैं तो यह स्थिति हमारे सामने खड़ी होती है कि क्या स्वतंत्रता की यह यात्रा स्त्रियों को भी उसी गरिमा, समानता और अधिकार तक पहुँचा पाई है जिसका वादा संविधान ने जोर शोर से किया था। वास्तविकता यह है कि आज भी स्त्री भारतीय लोकतंत्र में केवल संख्या नहीं बल्कि स्वीकृति, सहभागिता और निर्णायक उपस्थिति की तलाश में संघर्षरत है।

स्वतंत्रता आंदोलन में कंधे से कंधा मिलाकर चलने वाली स्त्री आज भी सत्ता, नीति और सामाजिक निर्णयों के केंद्र से दूर रखी जाती है। संसद से पंचायत तक प्रतिनिधित्व की बात हो या शिक्षा, स्वास्थ्य, श्रम और सुरक्षा के सवाल, हर जगह स्त्री की भागीदारी सीमित और संघर्षपूर्ण दिखाई देती है। लोकतंत्र ने उसे मताधिकार तो दिया पर मानसिक स्वतंत्रता अभी अधूरी है, अभी पुरुषों के निर्देशन में ही में ही कार्य संपादित करना पड़ता है। कानूनी अधिकार तो प्रदत्त किए हैं पर सामाजिक चेतना का विस्तार नहीं हुआ है, बेटी बचाओ से लेकर बेटी पढ़ाओ तक के नारे गूंजे लेकिन बेटी को निर्णयकर्ता बनाने का साहस समाज अभी तक नहीं जुटा पाया है।, स्त्री आज भी दोहरी जिम्मेदारियों के बोझ निर्वहन कर रही है। जहाँ एक ओर उससे आधुनिक होने की अपेक्षा की जाती है तो दूसरी ओर परंपराओं की जंजीरों में जकड़कर उसकी उड़ान के पंख काट दिए गए है।

कार्यस्थलों पर समान वेतन की लड़ाई हो या घर के भीतर अदृश्य श्रम की अनदेखी, स्त्री का श्रम आज भी कम आँका जाता है, डिजिटल युग में प्रवेश के बावजूद तकनीक और संसाधनों तक उसकी पहुँच सीमित है जिससे नया लोकतांत्रिक स्पेस भी पुरुष प्रधान होता जा रहा है।

राजनीति में 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रश्न दशकों से प्रतीक्षा में है जो यह दर्शाता है कि लोकतंत्र स्त्री को भागीदार नहीं बल्कि प्रतीक भर मानता रहा है, हिंसा के आँकड़े बताते हैं कि स्त्री का शरीर आज भी सत्ता, वर्चस्व और असहिष्णुता का मैदान बना हुआ है और न्याय की प्रक्रिया उसके लिए लंबी, जटिल और कई बार अपमानजनक हो जाती है। यह विडंबना ही है कि जिस लोकतंत्र की बुनियाद समानता पर टिकी है उसी लोकतंत्र में स्त्री को अपनी अस्मिता सिद्ध करनी पड़ती है, नए संदर्भों में देखें तो स्त्री केवल पीड़िता नहीं बल्कि परिवर्तन की वाहक भी है, स्वयं सहायता समूहों से लेकर स्टार्टअप संस्कृति तक, आंदोलन से लेकर साहित्य और मीडिया तक, स्त्री अपनी नई भाषा गढ़ रही है जो अधिकार के साथ आत्मसम्मान की भी मांग करती है। आज की स्त्री दया नहीं अवसर चाहती है, संरक्षण नहीं साझेदारी चाहती है और प्रतिनिधित्व नहीं बल्कि निर्णय में हिस्सेदारी चाहती है, 77वें गणतंत्र का गर्व तभी सार्थक होगा जब लोकतंत्र केवल पुरुष अनुभव का विस्तार न रहकर स्त्री दृष्टि से भी पुनर्परिभाषित होगा, जब नीति निर्माण में स्त्री का जीवन अनुभव शामिल होगा, जब घर, समाज और सत्ता तीनों स्तरों पर बराबरी की संस्कृति विकसित होगी, क्योंकि स्त्री की स्वतंत्रता किसी एक वर्ग का प्रश्न नहीं बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता की कसौटी है और जब तक स्त्री अपनी उपस्थिति नहीं बल्कि अपना स्थान सुनिश्चित नहीं कर लेती तब तक भारतीय लोकतंत्र अधूरा, असंतुलित और आत्मगौरव से वंचित ही रहेगा।

इसी संघर्षपूर्ण लोकतंत्र में कुछ स्त्रियाँ ऐसी भी हैं जिन्होंने तमाम बाधाओं, उपेक्षाओं और सामाजिक दीवारों को तोड़कर अपनी पहचान गढ़ी और व्यवस्था को आईना दिखाया, द्रौपदी मुर्मू का राष्ट्रपति पद तक पहुँचना आदिवासी स्त्री की उस यात्रा का प्रतीक है जो सदियों से हाशिये पर रही है। उनके राष्ट्रपति बना आदिवासी गौरव का बड़ा प्रतीक है। कल्पना चावला ने अंतरिक्ष में भारत की स्त्री चेतना को नई ऊँचाई दी, मैरी कॉम ने यह साबित किया कि सीमित संसाधनों और सामाजिक बंधनों के बावजूद एक स्त्री विश्व मंच पर भारत का गौरव बन सकती है। इरोम शर्मिला ने अहिंसक संघर्ष के माध्यम से लोकतंत्र को उसकी संवेदनशीलता याद दिलाई, फातिमा शेख और सावित्रीबाई फुले की विरासत को आगे बढ़ाती आज की शिक्षिकाएँ आज भी शिक्षा को स्त्री मुक्ति का हथियार बना रही हैं। अरुणिमा सिन्हा ने शारीरिक अक्षमता को पराजित कर यह सिद्ध किया कि स्त्री की शक्ति सहानुभूति की मोहताज नहीं होती। मिताली राज और पीवी सिंधु ने खेल के मैदान में पुरुष वर्चस्व को चुनौती दी, किरण बेदी ने प्रशासन में स्त्री नेतृत्व की कठोर लेकिन संवेदनशील छवि प्रस्तुत की, अंजू बॉबी जॉर्ज से लेकर बछेंद्री पाल तक पहाड़ और मैदान दोनों जगह स्त्री ने अपने साहस की छाप छोड़ी, ये नाम केवल व्यक्तिगत सफलताएँ नहीं हैं बल्कि उस लोकतंत्र की खामियों के बीच उग आए प्रतिरोध के दीप हैं जो यह बताते हैं कि स्त्री अवसर मिले तो नीति, नेतृत्व और नवाचार में किसी से पीछे नहीं है, फिर भी यह विडंबना बनी हुई है कि इन उदाहरणों को अपवाद मान लिया जाता है और स्त्री की सामूहिक स्थिति जस की तस बनी रहती है, 77वें गणतंत्र का वास्तविक गर्व तब होगा जब इन संघर्षरत स्त्रियों की कहानियाँ प्रेरणा भर नहीं बल्कि नीति और सामाजिक व्यवहार का आधार बनेंगी, जब लोकतंत्र स्त्री को प्रतीक नहीं बल्कि सहभागी मानेगा, क्योंकि इन स्त्रियों का संघर्ष यह स्पष्ट करता है कि स्त्री की सफलता दया से नहीं बल्कि अधिकार, अवसर और आत्मसम्मान से जन्म लेती है। जब तक यह समझ व्यापक नहीं होती तब तक भारतीय लोकतंत्र में आधी आबादी के अपने हक तथा सहभागिता की अपेक्षा में इंतजार कर रही होगी।

संजीव ठाकुर

संपादकीय

यूजीसी के नए इक्विटी नियम, सामाजिक न्याय और आशंकाओं के बीच संतुलन की चुनौती

उच्च शिक्षा किसी भी लोकतांत्रिक समाज की रीढ़ होती है। विश्वविद्यालय केवल डिग्री देने वाली संस्थाएं नहीं होते, बल्कि वे ऐसे मंच होते हैं जहां समान अवसर, विचारों की स्वतंत्रता और सामाजिक न्याय के मूल्य आकार लेते हैं। भारत जैसे विविधता से भरे देश में यह सवाल हमेशा से प्रासंगिक रहा है कि क्या हमारे शैक्षणिक परिसरों में सभी छात्रों को समान सम्मान और अवसर मिल पाते हैं। इसी पृष्ठभूमि में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 13 जनवरी 2026 को अधिसूचित किए गए नए नियम 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशंस, 2026 सामने आए हैं। इन नियमों का उद्देश्य स्पष्ट रूप से जाति आधारित भेदभाव को रोकना और वंचित वर्गों को संरक्षण देना बताया गया है। लेकिन इन्हीं नियमों को लेकर देश के कई हिस्सों में तीखा विरोध भी देखने को मिल रहा है। यह विरोध केवल राजनीतिक नहीं है, बल्कि इसमें छात्रों, शिक्षकों और सामाजिक संगठनों की वास्तविक आशंकाएं भी जुड़ी हुई हैं।

सरकार और यूजीसी का तर्क यह है कि उच्च शिक्षा संस्थानों में जाति आधारित भेदभाव की घटनाएं कोई कल्पना नहीं हैं। बीते एक दशक में सामने आई कुछ दर्दनाक घटनाओं ने इस मुद्दे को राष्ट्रीय बहस का विषय बना दिया। रोहित वेमुला और पायल तडवी जैसे मामलों ने यह सवाल उठाया कि क्या विश्वविद्यालय प्रशासन समय रहते हस्तक्षेप करने में विफल रहा। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद नियमों को सख्त करने की जो प्रक्रिया शुरू हुई, उसका मकसद जवाबदेही तय करना और यह सुनिश्चित करना था कि किसी भी छात्र को जाति के आधार पर अपमान, उपेक्षा या उत्पीड़न का सामना न करना पड़े। इस दृष्टि से हर कॉलेज में ईक्वल अपॉर्च्युनिटी सेंटर, इक्वलिटी कमेटी और निगरानी तंत्र बनाने का प्रस्ताव एक सकारात्मक कदम माना जा सकता है। यह व्यवस्था उन छात्रों के लिए एक औपचारिक मंच उपलब्ध कराती है, जो अब तक शिकायत दर्ज कराने से डरते रहे हैं या जिनकी आवाज दबा दी जाती थी।

सरकार का यह भी कहना है कि नियमों में सख्ती इसलिए जरूरी है क्योंकि केवल सलाह या दिशानिर्देश पर्याप्त साबित नहीं हुए। पहले के नियमों में दंड का अभाव था, जिसके कारण कई संस्थानों ने उन्हें गंभीरता से नहीं लिया। नए प्रावधानों में ग्रांट रोकने या मान्यता रद्द करने जैसे कठोर कदम शामिल कर यह संदेश दिया गया है कि जातीय भेदभाव को अब हल्के में नहीं लिया जाएगा। इस तर्क में एक हद तक दम है, क्योंकि किसी भी कानून या नियम की प्रभावशीलता उसके पालन से जुड़ी होती है, और पालन अक्सर दंड के भय से ही सुनिश्चित होता है।

लेकिन दूसरी ओर, इन नियमों को लेकर जो विरोध सामने आया है, उसे केवल पूर्वाग्रह या राजनीतिक उकसावे का परिणाम मान लेना भी उचित नहीं होगा। जनरल कैटेगरी के छात्रों और कुछ शिक्षाविदों का कहना है कि नियमों की भाषा और संरचना असंतुलित है। भेदभाव की परिभाषा में केवल कुछ वर्गों को पीड़ित के रूप में चिन्हित किया गया है, जबकि जनरल कैटेगरी को इस दायरे से बाहर रखा गया है। इससे यह संदेश जाता है कि एक वर्ग को संभावित अपराधी और दूसरे को संभावित पीड़ित के रूप में पहले से ही तय कर दिया गया है। किसी भी न्यायपूर्ण व्यवस्था में यह धारणा स्वयं में समस्या पैदा कर सकती है।

सबसे अधिक चिंता झूठी या दुर्भावनापूर्ण शिकायतों के संदर्भ में जताई जा रही है। प्रारंभिक ड्राफ्ट में गलत शिकायत करने पर दंड का प्रावधान था, जिसे अंतिम नियमों से हटा दिया गया। आलोचकों का तर्क है कि इससे नियमों का दुरुपयोग आसान हो जाएगा। शिक्षा संस्थान पहले ही आंतरिक राजनीति, गुटबाजी और व्यक्तिगत टकरावों से अछूते नहीं हैं। ऐसे माहौल में यदि शिकायतकर्ता पर कोई जवाबदेही न हो, तो निष्पक्ष जांच की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। हालांकि यह भी सच है कि झूठी शिकायतों की आशंका के कारण वास्तविक पीड़ितों को न्याय से वंचित करना भी गलत होगा। यहां संतुलन की आवश्यकता थी, जिसे नियमों में स्पष्ट रूप से संबोधित नहीं किया गया।

इक्वलिटी कमेटी की संरचना भी विवाद का विषय बनी है। इसमें एसवी,, एसटी, ओबीसी महिलाएं और दिव्यांगों को शामिल करना सामाजिक प्रतिनिधित्व की दृष्टि से सही कदम माना जा सकता है, लेकिन जनरल कैटेगरी के किसी सदस्य का अनिवार्य न होना कई सवाल खड़े करता है। विविधता का उद्देश्य केवल वंचित वर्गों की उपस्थिति नहीं, बल्कि सभी दृष्टिकोणों को स्थान देना होता है। यदि किसी वर्ग को पूरी तरह बाहर रखा गया, तो कमेटी के फैसलों पर एकतरफापन का आरोप लगना स्वाभाविक है। यह स्थिति न केवल अविश्वास पैदा कर सकती है, बल्कि नियमों की वैधता को भी कमजोर कर सकती है।

कॉलेज प्रशासन की भूमिका भी इन नियमों के बीच जटिल हो गई है। 24 घंटे में मीटिंग और तय समयसीमा में कार्रवाई जैसे प्रावधान त्वरित न्याय के इरादे से बनाए गए हैं, लेकिन व्यवहारिक स्तर पर यह दबाव पैदा कर सकते हैं। शिक्षण संस्थान केवल अनुशासनात्मक ढांचे नहीं होते, वे अकादमिक निर्णय भी लेते हैं, जिनमें समय, विचार और परामर्श की जरूरत होती है। यदि हर निर्णय पर सजा का भय मंडराएगा, तो यह आशंका है कि कॉलेज मेरिट के बजाय जोखिम से बचने की नीति अपनाएं। इससे शिक्षा की गुणवत्ता और स्वायत्तता दोनों प्रभावित हो सकती हैं।

एक और महत्वपूर्ण सवाल यूसीजी के अधिकार क्षेत्र को लेकर उठाया जा रहा है। आलोचकों का कहना है कि यूजीसी एक्ट 1956 मुख्य रूप से अकादमिक मानकों और वित्तीय सहायता तक सीमित है, और जातीय उत्पीड़न जैसे सामाजिक मुद्दों पर सीधे नियम बनाना उसके अधिकार से बाहर है। यह एक संवैधानिक और कानूनी बहस का विषय है, जिस पर अंतिम निर्णय न्यायपालिका ही करेगी। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिकाएं यह संकेत देती हैं कि यह मुद्दा केवल नीतिगत नहीं, बल्कि मौलिक अधिकारों से भी जुड़ा हुआ है।

इन सभी तर्कों के बीच यह मानना जरूरी है कि समस्या एकतरफा नहीं है। सरकार यदि गलत है तो इसलिए नहीं कि वह भेदभाव रोकना चाहती है, बल्कि इसलिए कि नियमों के निर्माण में संतुलन और सभी हितधारकों के विश्वास को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया। वहीं छात्र यदि सही हैं तो इसलिए नहीं कि वे सामाजिक न्याय के खिलाफ हैं, बल्कि इसलिए कि वे निष्पक्षता, समानता और दुरुपयोग से सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। दोनों पक्षों की चिंताओं में सच्चाई का अंश मौजूद है।

आवश्यकता इस बात की है कि नियमों को संवाद के माध्यम से और अधिक परिष्कृत किया जाए। झूठी शिकायतों के लिए स्पष्ट और निष्पक्ष प्रावधान जोड़े जा सकते हैं, कमेटियों की संरचना में सभी वर्गों का संतुलित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जा सकता है और समयसीमा को व्यवहारिक बनाया जा सकता है। इससे न केवल वंचित छात्रों को सुरक्षा मिलेगी, बल्कि जनरल कैटेगरी के छात्रों का भरोसा भी कायम रहेगा। अंततः शिक्षा का उद्देश्य समाज को जोड़ना है, न कि नए विभाजन पैदा करना। यदि यूसीजी के नए नियम इस भावना के साथ लागू होते हैं कि हर छात्र समान सम्मान का हकदार है और हर आरोप की निष्पक्ष जांच जरूरी है, तो वे वास्तव में ऐतिहासिक साबित हो सकते हैं। लेकिन यदि आशंकाओं को नजरअंदाज किया गया, तो यह सुधार विवाद और अविश्वास की भेंट चढ़ सकता है। सामाजिक न्याय और निष्पक्षता के बीच संतुलन ही इस पूरे विवाद का मूल समाधान है।

कांतिलाल मांडोत

कनाडा के प्रधानमंत्री की स्वदेशी अपनाने की अपील का संदेश

कनाडा के प्रधानमंत्री ने अपने देश के नागरिकों से स्वदेशी उत्पादों को अपनाने की अपील की है। ट्रंप प्रशासन द्वारा कनाडाई उत्पादों पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी को देखते हुए ये अपील की गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि वह चीन के साथ व्यापार समझौता करता है तो वह कनाड़ा पर सौ फीसदी टैरिफ लगाएंगे। ट्रंप की इस चेतावनी के बाद एक वीडियो संदेश में कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी ने देशवासियों से स्वदेशी उत्पाद अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि 'कनाडा की अर्थव्यवस्था पर बाहरी दबाव है। ऐसे में कनाडा के लोगों के पास यही रास्ता है कि वो ही सामान खरीदें, जो कनाडा में बने हों। दूसरे देश क्या करते हैं, हम उसे नियंत्रित नहीं कर सकते। जो हमारे नियंत्रण में है उसपर फोकस करें। हम ही कनाडा के सबसे अच्छे ग्राहक हैं और हमें कनाडा में बने उत्पाद खरीदने चाहिए ताकि देश को मजबूत बनाया जा सके। अमेरिका और कनाडा दोनों देशों के बीच ट्रंप के दोबारा सत्ता में आने के बाद तल्खी तब और बढ़ गई जब ट्रंप ने कई बार कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात कही, हालांकि पिछले साल कार्नी ने व्हाइट हाउस में ट्रंप से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने साफ शब्दों में कहा था कि कनाडा बिकाऊ नहीं है।

आज जो हालात कनाडा के साथ हैं, वही दुनिया के कई अन्य देशों के साथ हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप कभी भारत तो धमकी देते हैं तो कभी चीन को । ग्रीनलैंड का समर्थन करने वाले देशों को भी इस तरह की उनकी हाल में धमकी आई है। इस तरह की धमकी एक व्यापक वैश्विक प्रवृत्ति का हिस्सा है। बड़ी शक्तियों छोटी शक्ति और देशों को दबाकर रखना चाहती हैं। वे छोटे और सम्प्रभू देशों को अपना गुलाम बनाकर रखना पसंद करती है। अपने पर निर्भर बनाए रखना चाहती है। इस तरह के आसन्न खतरे को भारत ने पहले ही भांप लिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काफी समय से स्वदेशी अपनाने पर वैसे ही नही जोर दे रहे। भारत में स्वदेशी का विचार कोई नया नहीं है। यह हमारी राष्ट्रीय चेतना का एक महत्वपूर्ण अंग रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस विचार को आत्मनिर्भर भारत अभियान के माध्यम से नया आयाम दिया है। वोकल फॉर लोकल का नारा देते हुए उन्होंने देशवासियों से भारतीय उत्पादों को अपनाने और उन्हें वैश्विक बनाने का आह्वान किया है। यह दृष्टिकोण केवल आर्थिक नहीं बल्कि राष्ट्रीय गौरव और आत्मसम्मान से भी जुड़ा हुआ है। जब हम अपने देश में बने उत्पादों को प्राथमिकता देते हैं, तो हम न केवल अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करते हैं बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा करते हैं। दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता कम होगी। उनका हम पर दबाव कम होगा।

स्वदेशी की अवधारणा को समझने के लिए हमें महात्मा गांधी के स्वदेशी आंदोलन को याद करना होगा। गांधीजी ने स्वदेशी को केवल आर्थिक रणनीति के रूप में नहीं देखा था, बल्कि इसे स्वराज और आत्मनिर्भरता के व्यापक दर्शन का हिस्सा माना था। उनका मानना था कि जब तक हम आर्थिक रूप से परतंत्र रहेंगे, तब तक वास्तविक स्वतंत्रता संभव नहीं है। इसलिए उन्होंने विदेशी वस्त्रों के बहिष्कार और चरखे से बने खादी को अपनाने पर जोर दिया। गांधीजी के लिए चरखा केवल कपड़ा बनाने का साधन नहीं था, बल्कि यह आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक था।

दरअस्ल अंग्रेजों के शासन से पहले जरूरत का सारा सामान हमारे यहां गांव -गांव और आसपास में पैदा होता हैं। जरूरत का काफी सामान हम अपने घर तैयार कर लेते थे। अंग्रेजों ने इस व्यवस्था को बड़े- बड़े उद्योग लगाकर खत्म कर दिया।

महात्मा गांधी ने स्वदेशी का महत्व समझा । उनका स्वदेशी आंदोलन भारत के स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण हथियार बना । उन्होंने लोगों को समझाया कि जब हम विदेशी वस्तुओं का उपयोग करते हैं, तो हम न केवल अपने देश की संपत्ति को बाहर भेज रहे हैं, बल्कि अपने कारीगरों और श्रमिकों को भी बेरोजगार कर रहे हैं। उनका मानना था कि प्रत्येक भारतीय को अपने गांव और अपने देश में बनी वस्तुओं को प्राथमिकता देनी चाहिए। यह विचार इतना प्रभावशाली था कि लाखों भारतीयों ने विदेशी कपड़ों की होली जलाई और खादी को अपनाया। यह आंदोलन केवल आर्थिक नहीं था, बल्कि इसने राष्ट्रीय चेतना को जगाने और लोगों को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आज की वैश्वीकृत दुनिया में स्वदेशी की अवधारणा नए अर्थ और महत्व प्राप्त कर रही है। कनाडा पर ट्रंप की टैरिफ धमकी यह दर्शाती है कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार कितना अनिश्चित और राजनीतिक रूप से प्रभावित हो सकता है। जब कोई देश किसी दूसरे देश पर आर्थिक दबाव बनाना चाहता है, तो व्यापार शुल्क एक प्रमुख हथियार बन जाता है। ऐसी स्थिति में जो देश अपनी घरेलू उत्पादन क्षमता को मजबूत रखते हैं, वे बेहतर तरीके से इन चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। यही कारण है कि कनाडा के प्रधानमंत्री ने अपने नागरिकों से देश में बने उत्पादों को खरीदने का आग्रह किया है।

भारत की आत्मनिर्भर भारत पहल इसी दिशा में एक व्यापक और दूरदर्शी कदम है। इस अभियान का उद्देश्य केवल आयात को कम करना नहीं है, बल्कि भारत को विनिर्माण, नवाचार और तकनीकी विकास का एक वैश्विक केंद्र बनाना है। प्रधानमंत्री मोदी ने बार-बार कहा है कि आत्मनिर्भरता का अर्थ आत्मकेंद्रित होना नहीं है, बल्कि यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक विश्वसनीय और मजबूत भागीदार बनना है। जब भारतीय उत्पाद गुणवत्ता और नवाचार में उत्कृष्ट होंगे, तो वे न केवल घरेलू बाजार में सफल होंगे बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी अपनी जगह बनाएंगे।

स्वदेशी को अपनाने का अर्थ यह नहीं है कि हम अंतरराष्ट्रीय व्यापार या वैश्वीकरण के खिलाफ हैं। बल्कि यह एक संतुलित दृष्टिकोण है जो घरेलू उद्योगों को मजबूत करते हुए वैश्विक बाजार में भागीदारी को भी बढ़ावा देता है। जब हमारे उद्योग मजबूत होंगे, तो हम बेहतर शर्तों पर अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भाग ले सकेंगे। यही कारण है कि भारत मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, और डिजिटल इंडिया जैसी पहलों के माध्यम से घरेलू उत्पादन और नवाचार को बढ़ावा दे रहा है।

स्वदेशी उत्पादों को अपनाने से रोजगार सृजन में भी महत्वपूर्ण योगदान होता है। जब हम स्थानीय उत्पाद खरीदते हैं, तो हम अपने देश के कारीगरों, किसानों, छोटे व्यवसायियों और उद्यमियों की आजीविका का समर्थन करते हैं। भारत जैसे देश में जहां बेरोजगारी एक बड़ी चुनौती है, स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना लाखों लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा कर सकता है। छोटे और मध्यम उद्योग जो भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, तभी फल-फूल सकते हैं जब उन्हें पर्याप्त घरेलू बाजार मिले।

पर्यावरण की दृष्टि से भी स्वदेशी उत्पादों का महत्व बढ़ जाता है। जब हम स्थानीय स्तर पर उत्पादित वस्तुओं का उपयोग करते हैं, तो परिवहन से होने वाला कार्बन उत्सर्जन कम होता है। साथ ही, स्थानीय उत्पादन अक्सर पारंपरिक और टिकाऊ तरीकों का उपयोग करता है जो पर्यावरण के अनुकूल होते हैं। गांधीजी ने भी कहा था कि पृथ्वी के पास हर व्यक्ति की जरूरत को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं, लेकिन किसी के लालच को पूरा करने के लिए नहीं। स्वदेशी की अवधारणा इसी सिद्धांत पर आधारित है।

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में जहां व्यापार युद्ध और आर्थिक राष्ट्रवाद बढ़ रहा है, स्वदेशी की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। कोविड-19 महामारी ने भी हमें सिखाया कि अत्यधिक आयात निर्भरता कितनी खतरनाक हो सकती है। जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं टूट गईं, तो कई देशों को आवश्यक वस्तुओं की कमी का सामना करना पड़ा। भारत ने इस संकट से सीख लेते हुए दवाओं, चिकित्सा उपकरणों, और अन्य आवश्यक वस्तुओं के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा दिया है।कभी हम न मास्क बनाते थे। न सेनेंटाइजर, न अन्य उपकरण। करोनाकाल में हमने कोशिश की और आत्म निर्भर ही नही हुए। देश की बनी करोना वैक्सीन कई देशो को दी।

स्वदेशी को सफल बनाने के लिए केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। जब हम खरीदारी करते हैं तो हमें यह देखना चाहिए कि वह उत्पाद कहां बना है और किसके द्वारा बनाया गया है। छोटे निर्णय जैसे स्थानीय बाजार से खरीदारी करना, हस्तशिल्प को बढ़ावा देना, और भारतीय ब्रांड्स को चुनना, सामूहिक रूप से बड़ा प्रभाव डाल सकते हैं। यह केवल आर्थिक निर्णय नहीं है, बल्कि यह हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता और जिम्मेदारी का प्रश्न है।

अशोक मधुप

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

कम्पोजिट विद्यालय व ग्राम पंचायत सचिवालय मे फेराया गया तिरंगा झण्डा

टूण्डला- 77 वे गणतंत्र दिवस पर टूण्डला क्षेत्र के ग्रामपंचायत पमारी के ग्राम मनीगढ़ी में प्राथमिक व उच्चप्राथमिक (कम्पोजिट) विद्यालय व ग्राम पंचायत सचिवालय पमारी में प्रधान प्रतिनिधि हरिओम बघेल व ग्राम पंचायत सदस्य विवेक शर्मा, प्रधानाध्यापक विजय सिंह द्वारा तिरंगा झण्डा फेराया गया । इस अवसर पर कम्पोजिट विद्यालय के प्रधानाध्यापक विजय सिंह, योगेश रावत, जितेन्द्र सिंह, राममोहन सिंह, पंचायत सहायक पमारी व स्कूल का समस्त स्टाफ व बच्चे उपस्थित रहे। वही प्राथमिक विद्यालय नगला पुन्नू मे ग्राम प्रधान कुमारी रेखा देवी , प्रधानप्रतिनिधि गुड्डू बघेल व प्रधाध्यापक द्वारा तिरंगा झंडा फेराया गया । इस अवसर पर संजय, राज पाल, संजय शर्मा,शिशपाल सिंह, बरखा सिंह, विकास बघेल,मनोज कांत, टिंकू सिंह,भूपेंद्र बघेल, गुलशन बघेल,संजना देवी, नेहा पाल विद्यालय का समस्त स्टॉफ उपस्थिति रहा।

गणतंत्र दिवस पर मदरसा सुल्ताने हिंद में आयोजित हुए कार्यक्रम

खीरी टाउन खीरी। गणतंत्र दिवस के मौके पर मदरसा सुल्ताने हिंद में बच्चों द्वारा देश भक्ति से सराबोर कार्यक्रमो का आयोजित किए। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में खीरी विकास समिति के अध्यक्ष आमिर रज़ा पम्मी ने झंडा फहराया। इस दौरान मदरसे के नन्हें मुन्ने बच्चों के देश भक्ति से सराबोर तमाम प्रस्तुति की। कार्यक्रम का संचालन हिना अंसारी ने किया। इस दौरान मदरसे की प्रिंसपल राबिया अंसारी,मदरसे की संस्थापक नसरीन फातिमा, शिक्षिका सिमरन अंसारी, नबीला खान, रश्मि सिंह सहित पत्रकार मो.सईद अंसारी उर्फ गुड्डू, सफी अहमद आदि लोग मौजूद रहे।

आवश्यक सूचना

आधार हाऊसिंग फाइनेंस लि0 की ओर से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की श्रीमती निशा पत्नी श्री खलील अहमद व खलील अहमद पुत्र मुमताज अली ने अपना भवन जो भवन सं0-11 का भाग है (भवन सं0-538बी/4/275 सी नगर निगम रसीद के अनुसार) जो खसरा सं0-100 का मि0 रकबा-500 वर्गफीट, स्थित-ग्राम-रूपपुर खदरा, वार्ड-अयोध्यादास-2, तहसील व जिला-लखनऊ पर स्थित है जिसकी चौहद्दी पूरब- रास्ता 10 फिट चौड़ा, पश्चिम- भवन विनीता श्रीवास्तव, उत्तर- भवन रामू, दक्षिण- भवन एन0 के0 शर्मा को आधार हाऊसिंग फाइनेंस लि0 में श्रीमती निशा पत्नी श्री खलील अहमद व खलील अहमद पुत्र मुमताज अली द्वारा बंधक किया जा रहा है।

उपरोक्त भवन श्रीमती निशा पत्नी श्री खलील अहमद व खलील अहमद पुत्र मुमताज अली को जरिये पंजीकृत दान विलेख दिनांक 25/10/2018 को प्राप्त किया है।

श्रीमती निशा पत्नी श्री खलील अहमद व खलील अहमद पुत्र मुमताज अली के अनुसार उपरोक्त सम्पत्ति की पूर्व श्रंखला के मूल बैनामें जो श्रीमती महजबी पत्नी श्री मोहम्मद मोबीन के नाम से निष्पादित था जो बही सं0-1, पृष्ठ सं0-229 से 258 क्रमांक 8342, दिनांक 08/07/2011 को उपनिबन्धक चतुर्थ लखनऊ के कार्यालय में पंजीकृत है एवम् देविका नाग पुत्री कर्नल एस0 नाग के नाम से निष्पादित था जो बही सं0-1, जिल्द सं0-8679 पृष्ठ सं0-285 से 314 क्रमांक 162, दिनांक 06/01/2012 को उपनिबन्धक चतुर्थ लखनऊ के कार्यालय में पंजीकृत हैं उनसे दोनो मूल विलेख कहीं वास्तव में खो गयें हैं।

उपरोक्त सम्पत्ति को श्रीमती निशा पत्नी श्री खलील अहमद व खलील अहमद पुत्र मुमताज अली द्वारा आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड लखनऊ बंधक किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति या किसी वित्तीय संस्था को इस बंधक के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के अंदर आपत्ति दर्ज कराने का कष्ट करे उपरोक्त समयावधि के बाद किसी प्रकार का दावा विचार योग्य नही माना जायेगा।

आपत्ति हेतु संपर्क करे
ललित मोहन जोशी एडवोकेट
एमजी- 87 अलीगंज लखनऊ
मों- 95658 81290

नल रिबोर का कबाड़ खा गए जिम्मेदार

● ब्लॉक विजुआ की ग्राम पंचायत बेलहासीकटिहा,बेलबा,अम्बारा,मलूका पुर , दरियाबाद, राजगढ, पड़रिया तुला पिपरिया धनी का मामला

न बी.डी. ओ. को पता और ना ही ए.डी. ओ. पंचायत को ही मालुम कब हुई नीलामी

कहीं कबाड़ की हो रही इस लूट में सब तो नहीं है भागीदार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी जनपद में जिम्मेदार अफसरों की मनमानी के चलते मुख्यमंत्री की जीरो टॉलरेंस नीति हकीकत की धरातल पर दम तोड़ती नजर आ रही है। योगी सरकार और जिले की निडर और तेज तर्रार जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल की लाख कोशिशों के बाद भी ब्लॉक बीजूआ में भ्रस्टाचार और सरकारी धन की लूट का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। ऐसा ही एक सनसनी खेज मामला ब्लॉक बिजुआ की दर्जनों ग्राम पंचायत बेलहा सीकटिहा मलूकापुर बेलवा अंबाला पिपरिया धनी राजगढ़ दरियाबाद पड़रिया तुला आदि अन्य कई ग्राम पंचायतों में प्रकाश में आया है। जहां पर नल रिबोर का कबाड़ जिम्मेदारो द्वारा डकार लिए जाने का मामला जन चर्चा का विषय बना है। सूत्र बताते हैं कि इस नल रिबोर वाले कबाड़ की नीलामी की जानकारी किसी को भी नहीं है। न तो खंड विकास अधिकारी विजुआ को पता है और न ही सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) विजुआ को ही मालुम हैं कि कब हुई नीलामी? कयास लगाए जा रहे हैं कि कहीं हो रही इस कबाड़ की लूट में सब तो हिस्सेदार नहीं है। बताया गया है कि इन ग्राम पंचायतो में नल रिबोर के नाम पर लाखों का घोटाला किया गया है और देखा जाए तो कई नल आज भी खराब पड़े हैं या काग़ज़ों पर मानक विहीन मरम्मत कार्य दिखाकर अपनी-अपनी तिजोरियों को भर लिए जाने के आरोप लगाए गए हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि इस खेल में ब्लॉक के अधिकारी भी शामिल हैं जिनकी शह पर ही इस भ्रस्टाचार के खेल को हवा मिल रही है।सूत्रों के अनुसार काग़ज़ों पर भारी मात्रा में नल रिबोर और मरम्मत के नाम पर लाखों का भुगतान निकाला गया है जबकि जमीनी हालात कुछ और ही बयान कर रहे हैं। सबसे बड़ी बात तो यह है कि

रिबोर और मरम्मत के बाद निकले पुराने पाइप,राड और अन्य कबाड़ गया कहा? जब इस मामले की जानकारी लेने का प्रयास किया गया तो खंड बिकास अधिकारी और ए .डी .ओ. पंचायत सहित दोनों अधिकारी जानकारी देने से बचते नजर आए और कोई सपष्ट जबाब नहीं मिला।दोनों अधिकारियों की चुप्पी ने मामले को और भी सन्देशहापद बना दिया है। चर्चा है कि इस खेल में

कहीं जिम्मेदारों की बराबर की भागीदारी तो नहीं है ? ग्रामीणों का आरोप है कि कहीं इस खेल में कबाड़ की खुलेआम लूट तो नहीं हो रही है? लोगों ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराए जाने तथा दोषियों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।देखना यह होगा कि प्रशासन इस गंभीर मामले पर क्या कदम उठाता है?या फिर यह मामला भी अफसरों की फाइल में दब कर रह जाएगा।

ससजपा केंद्रीय कार्यालय मे आन, बान, शान से लहराया तिरंगा

गोपीगंज। सर्व समाज जनहित पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय घूरीपुर मे राष्ट्रीय पर्व हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया,मुख्य अतिथि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने ध्वजारोहण कियाद्यराष्ट्रगान के उपरांत आजादी दिलाने वाले अमर शहीदो के बलिदान की चर्चा करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष विभूति नारायण सिंह के साथ धनेश प्रसाद पंडा, शिंटू शुक्ला,डा अखिलेश सिंह डा.अमित सिंह, नीरज श्रीवास्तव, बड़े सिंह, धर्मेंद्र पाठक, विजई पाठक, बऊ, कल्लू पाठक, नन्हू पाठक, विकास पाठक, डा. सौम्या सिंह, दीपसीखा सिंह, प्रमोद विश्वकर्मा, रमेश पाल, संजय पाठक, नरदु पाठक, राकेश पाठक, राजधर पाठक आदि ने अमर शहीदो को नमन कियाद्यइस मौके पर जुटे बच्चों मे मिष्ठान्न वितरण किया गया।

77वें गणतंत्र दिवस पर भाजपा टूण्डला नगर कार्यालय में हुआ भव्य ध्वजारोहण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टूण्डला- टूण्डला नगर में 77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी टूण्डला नगर कार्यालय, भारत माता चौक पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रध्वज को सलामी दी। इस अवसर पर उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारों के साथ देशभक्ति का उत्साहपूर्ण वातावरण बनाया।ध्वजारोहण कार्यक्रम में भाजपा नगर अध्यक्ष दिनेश गुप्ता सहित शिव शंकर शर्मा, आकाश शर्मा, योगेंद्र उपाध्याय, जयजीव पाराशर, देवेंद्र विक्रम सिंह परमार, रितेश यदुवंशी, विष्णु तिवारी, पुष्पेंद्र गुप्ता, गौतम नोहवार, राकेश सभासद, गुड्डा दीक्षित, अरुण शास्त्री, विकास वाल्मीकि, सोनू बघेल मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए संविधान के प्रति सम्मान, देश की एकता व अखंडता बनाए रखने तथा राष्ट्रहित में कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

संविलियन विद्यालय नौरंगाबाद सहित सम्पूर्ण अंचल में मनाया गया गणतंत्र दिवस

बच्चों ने दी प्रस्तुतियां, शिक्षकों ने समझाया संविधान का महत्व।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिंगाही। देश का 77वां गणतंत्र दिवस कस्बा सहित पूरे ग्रमीण अंचल में पूरे धूमधाम के साथ मनाया गया इस दौरान सभी सरकारी गैर सरकारी संस्थाओं में तिरंगा फहराया गया। बच्चों के द्वारा पूरे कस्बे में प्रभात फेरी निकाली गई। संविलियन विद्यालय नौरंगाबाद में भव्य समारोह का आयोजन किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओ एवं मौजूद लोगों में देशभक्ति की अलख जगाना एवं संविधान के प्रति उत्कृष्ट की भावना को पैदा करना।

कस्बे की परम्परा के अनुसार मेला मैदान का नगर ध्वधारोहण चेयरमेन मोहम्मद क़य्यूम ने किया। उसके बाद यहां उपस्थित सभी स्कूली बच्चों व कस्बे वासियों द्वारा राष्ट्रगान व देशगान गया गया। थाना सिंगाही में एसओ मनीष सिंह ने थाने में ध्वजारोहण किया,मदरसा इस्लामिया खादिमुल मसाजिद में सदर तजम्मुल खां ध्वजारोहण किया।

इसके साथ ही मदरसा अरबिया जमूर्रद फातिमा में सभासद राहुल गुप्ता द्वारा ध्वजारोहण किया गया। रामचरन शाह बाल विद्या मंदिर स्कूल में प्रधानाचार्य ने ध्वजारोहण किया गया,प्राथमिक विद्यालय सिंगाहा में प्रधान प्रतिनिधि श्याम मोहन , नौरंगाबाद में यादवेंद्र अवस्थी ने ध्वजारोहण किया गया। इसके साथ ही राष्ट्रगान व देशागान के साथ स्कूली बच्चो द्वारा कार्यक्रमों का आयोजन हुआ और सभी बच्चों को मिठाई बांटी गई। इसके साथ ही क्षेत्र के पषिदीय निजी स्कूलों सहित ग्राम पंचायत कार्यालयों पर प्रधानों द्वारा झण्डारोहण किया गया।

77 वें गणतंत्र दिवस के अवसर कस्बा मितौली भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई

मितौली खीरी। 77 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर समाजसेवी अखिलेश मिश्रा के नेतृत्व में भव्य तिरंगा पदयात्रा रैली का आयोजन किया। जिसका राष्ट्रीय परिषद सदस्य, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता जुगल किशोर ने तिरंगा पदयात्रा रैली का शुभारंभ किया। तिरंगा पद यात्रा गाजे बाजे के साथ बड़े ही धूमधाम से निकाली गई जिसमें देश भक्ति गीतों पर युवा झूम उठे देश भक्ति माहौल से पूरा कस्बा सराबोर हो गया। जिसमें मितौली, खंड विकास अधिकारी आई एस मनीषा धार्वे, भारतीय हिन्दू परिषद संस्थापक राष्ट्रीय प्रहरी पवनेश जी महराज, तहसीलदार दिनेश कुमार,खण्ड शिक्षा अधिकारी भगवान राव, लल्लन बाबू, पूर्व जिला पंचायत सदस्य अखिलेश पैलवी, भाजपा मंडल अध्यक्ष मन्नालाल राठौर, थाना प्रभारी मितौली महेश पाठक तिरंगा पदयात्रा रैली में शामिल रहे। समस्त पत्रकार बंधु सहित सैंकड़ों राष्ट्र प्रेमी मौजूद रहे। कुशल संचालन कवि अमित गुप्ता ने किया।

विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन ग्रामीण VB G RAM G जन जागरण अभियान के अंतर्गत कृषक श्रमिक ग्राम चौपाल का आयोजन हुआ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टूण्डला- टूण्डला विधानसभा, मां वैष्णों देवी मण्डल के ग्राम बाघई ग्राम पंचायत में विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन ग्रामीण VB G-RAM-G जन जागरण अभियान के अंतर्गत कृषक श्रमिक ग्राम चौपाल अभियान के संयोजक हनुमंत बघेल व सह संयोजक शिव शंकर शर्मा के नेतृत्व में संपन्न हुई। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि/मुख्य वक्ता राज्यसभा सांसद नवीन जैन रहे।

कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत भारतमाता के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर की गई। मुख्य अतिथि नवीन जैन व कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह का स्वागत क्रमशः क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा सचिन जैन व मण्डल प्रभारी वीरेन्द्र प्रताप सिंह ने किया। बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित राज्यसभा सांसद नवीन जैन ने उपस्थित ग्राम पंचायत के ग्रामवासियों व कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि VB G-RAM-

G एक जनकल्याणकारी पहल है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र विकास करना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से गाँवों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने, स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग करने और ग्रामीण लोगों के जीवन स्तर को सुधारने पर जोर दिया जाएगा।

VB G-RAM-G के अंतर्गत स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और डिजिटल सेवाओं जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सुधार लाने की कोशिश की जाएगी। जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने अपने उद्बोधन के कहा कि यह पहल ग्रामीण युवाओं को कौशल विकास और रोजगार के अवसर प्रदान करने में भी सहायक होगी।कुल मिलाकर, VB G-RAM-G ग्रामीण विकास को गति देने, आत्मनिर्भर गाँवों के निर्माण और संतुलित राष्ट्रीय विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।चौपाल में पूर्व विधायक शिव सिंह चक, ग्राम प्रधान अनिल शर्मा, जिला उपाध्यक्ष नीलम दिवाकर, सीताराम, आगरा युवा मोर्चा महानगर अध्यक्ष शैलू पंडित, मण्डल अध्यक्ष देवेंद्र बेनीवाल, विवेक पाराशर, महिपाल निषाद, आशु चक, पूरन सिंह बी डी सी, सत्य पाल यादव, नरेंद्र दीक्षित, पूरन दीक्षित, रामसेवक शर्मा, कोमल बाल्मीकि, बॉबी जाटव, मनोज बघेल आदि लोग उपस्थित रहे।

77 वें गणतंत्र दिवस पर आयुक्त आगरा मण्डल आगरा ने ली परेड की सलामी, कहा- सदभावना और विकास ही उन्नत राष्ट्र की नींव है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फ़िरोज़ाबाद- 77 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयुक्त महोदय आगरा मंडल आगरा शैलेंद्र कुमार सिंह ने पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में ध्वजारोहण कर आयोजित भव्य परेड की सलामी ली, इस दौरान उनके साथ जिलाधिकारी रमेश रंजन और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित भी मौजूद रहे, इस दौरान आयुक्त महोदय ने उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि एक उन्नत राष्ट्र का निर्माण केवल भौतिक संसाधनों से नहीं बल्कि आपसी प्रेम सद्भावना और सौहार्द से होता है, उन्होंने जोर दिया की जाति, धर्म और महापुरुषों का सम्मान करना ही सच्चे लोकतंत्र की पहचान है, इस दौरान उन्होंने पुलिस कर्मियों के अनुशासन और आत्मविश्वास की भी सराहना की, उन्होंने कहा कि पुलिस बल के हर कदम में झलकता आत्मविश्वास नागरिकों के मन में सुरक्षा का एहसास कराता है, आयुक्त महोदय ने देश की प्रगति का तुलनात्मक विवरण देते हुए बताया कि आजादी के समय देश की 90 प्रतिशत आबादी गरीबी रेखा के नीचे थी और जीवन प्रत्याशा मात्र 35 वर्ष थी, जबकि आज देश ने चौमुखी प्रगति की है और हर व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हो रही है, भारत आज विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है, जो हमारे प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के योग नेतृत्व का प्रतिफल है। उन्होंने इस अवसर पर उत्तर प्रदेश की प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज उत्तर प्रदेश देश की जीडीपी में 9.02 प्रतिशत योगदान कर रहा है, माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में प्रदेश एक ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनने की ओर अग्रसर है, ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के माध्यम से 16 हजार करोड़ का निवेश प्रदेश को प्राप्त हुआ है, आज यह ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस के माध्यम से यह प्रयास किया जा रहा है कि उद्यमियों को तमाम सुविधाएं एवं सहूलियतें दी जाए, ताकि उद्यमियों को अपना उद्योग लगाने हेतु कोई परेशानी न उठानी पड़े, उन्होंने कहा कि आज 'एक जनपद-एक उत्पाद' के माध्यम से जनपद के हुनर को एक नया आयाम मिल रहा है, आज सुदृढ कानून व्यवस्था से भयमुक्त समाज का निर्माण हुआ है, आधारभूत संरचना में भी क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं, कई एक्सप्रेस वे का निर्माण इस बात को चरितार्थ कर रहे हैं,

उत्तर प्रदेश इकलौता ऐसा प्रदेश है जहां 16 एयरपोर्ट है, जिसमें चार अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट हैं, उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि आज सरकार अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की चिंता कर रही है, 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' जैसी योजना जहां महिलाओं के प्रति सरकार की संवेदनशीलता को

दर्शाती है, वही किसान सम्मान निधि, ऑर्गेनिक खेती और रियल टाइम खतौनी जैसे सुधारो से किसानों का जीवन सुगम हुआ है, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं शहरी से गरीबों को छत नसीब हो रही है, जबकि सांस्कृतिक स्थलों के पुनरोद्धार से पर्यटन में वृद्धि हुई है और वृहद वृक्षारोपण अभियान से पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित किया जा रहा है।अंत में आयुक्त महोदय ने शहीदों को नमन करते हुए सभी नागरिकों का आह्वान किया कि देश के विकास, सामाजिक व आर्थिक ताने वाने की सुदृढता में सभी का सामूहिक योगदान अनिवार्य है। इस अवसर पर विभिन्न स्कूलों के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया, इस अवसर पर आयुक्त महोदय एवं जिलाधिकारी द्वारा पुलिस कर्मियों को प्रशस्ति पत्र एवं मैडल देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित भी उपस्थित रहे।

गोला तहसील में एक बार फिर सरकारी तंत्र की शर्मनाक तस्वीर

● ग्राम हरदुआ निवासी महिला लक्ष्मी से घरौनी बनाने के नाम पर 30000 रिश्वत लेने के आरोप

मुख्यमंत्री पोर्टल पर की गई शिकायत में कानूनगो और नायब तहसीलदार ने लगाई फर्जी रिपोर्ट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी जनपद लखीमपुर खीरी की तहसील गोला में सरकारी तंत्र की शर्मनाक तस्वीर एक बार फिर प्रकाश में आई है ।बताते चलें ग्राम हरदुआ निवासी महिला लक्ष्मी देवी का आरोप है कि घरौनी बनाने के लिए लेखपाल जेपी वर्मा द्वारा पीड़िता से ?30000 ले लिए गए पैसा लेने के बाद आज तक ना तो उसकी घरौनी बनी और ना ही पैसे ही लौटाए गए ।मामले की मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत करने पर जांच को गए कानूनगो और नायब तहसीलदार द्वारा खुले आम धमकाया गया और शिकायत निस्तारण मनमाने तरीके से कर शासन प्रशासन को भी

गुमराह कर दिया गया ।सीधे कहा जा रहा है कि 5000 में नायब तहसीलदार रिपोर्ट लगा देंगे यह तहसील गोला का पहला मामला नहीं है ऐसे रंगबाज लेखपाल पहले भी कई बार निलंबित हो चुके हैं। फिर भी इनका भ्रष्टाचार और दबंगई जारी है। सवाल यह है कि योगी सरकार में भी अगर पीड़ित को न्याय के लिए दर-दर भटकना पड़ा तो दोषियों पर शिकंजा कब और कौन कसेगा? पीड़िता ने सरकार से गुहार लगाई है कि ऐसे भ्रष्ट और धमकी देने वाले लेखपाल और फर्जी जांच रिपोर्ट लगाने वाले कानूनगो , नायब तहसीलदार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए ।ताकि आम आदमी का प्रशासन पर भरोसा कायम रह सके। और योगी सरकार की भ्रष्टाचार के विरुद्ध लाई गई जीरो ट्रैवल्स नीति जमीन पर दिखनी चाहिए।

कैमहरा गांव हो रहा है,श्रीमद भागवत कथा एवं श्री राम कथा का आयोजन

नारद जी के पूर्व जन्म का सुनाया गया प्रसंग।

गोला गोकर्णनाथ खीरी। तहसील क्षेत्र गोला के गांव कैमहरा में 25 जनवरी से श्रीमद भागवत कथा एवं श्री राम कथा का आयोजन हो रहा है जिसका समापन 31 जनवरी को होना सुनिश्चित हुआ है। नैमिषारण्य धाम से पधारे आचार्य शिव प्रकाश मिश्रा द्वारा कल के सुनाए गए प्रसंग में बताया गया कथा प्रसंग श्रीमद् भागवत महापुराण के अनुसार व्यास जी ने देखा संसार अपनी जीवन शैली से बिगड़ते चले जा रहे हैं ऐसे लोगों का कल्याण कैसे होगा व्यास जी संसार के कल्याण के बारे में सोच रहे थे। उसी क्षण देव ऋषि नारद का आगमन हुआ और नारद जी ने श्रीमद् भागवत कथा का उपदेश व्यास जी को प्रदान किया और अपने पूर्व जन्म की कथा सुनाइ कि संतो की कृपा से एक दासी का बेटा नारद बन सकता है, तो क्या आप संतो की कृपा से श्रीमद् भागवत महापुराण की रचना नहीं कर सकते नारद जी ने व्यास जी को उपदेश दिया तब ब्यास जी ने श्रीमद् भागवत महापुराण की रचना की और संसार का कल्याण किया। अपने पुत्र सुखदेव जी की परीक्षा के बाद भागवत कथा का ज्ञान प्रदान किया और सुखदेव जी भागवत कथा के प्रथम वक्ता बने।

गोला क्षेत्र के कस्बे में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस, देशभक्ति में डूबे लोग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ खीरी। जिले में 77 वां गणतंत्र दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिले के सभी सरकारी अर्द्ध सरकारी कार्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों में देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत जश्न का माहौल देखने को मिला। गणतंत्र दिवस के मौके पर लोग पूरी तरह देशभक्ति में नजर आए।

गोला तहसील मे गोला की ऊप जिला अधिकारी प्रतीक्षा त्रिपाठी ने तहसील प्रागण मे प्रातःकालीन पहुच कर तहसील प्रसासन के अन्य अधिकारियो के साथ ध्वजारोहण रोहण किया।इसके पश्चात स्वतंत्रता संग्राम सानानियो के परिजनो को माल्यार्पण कर अंगवस्त्र व मिष्ठान देकर उनको सम्मानित किया। व सभी लोगो को मानव के कर्तब्यो के बारे मे बताकर अपने आस पास कोई निर्बल, निर्धन, गरीव,भूखा,बीमार आदि कोई ब्यक्ति है तो उसकी मदद करे। इस अवसर पर तहसीलदार भीम सिंह सहित तमाम तहशील प्रसासन व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। इसके साथ ही हैदराबाद थानाध्यक्ष सुनील मलिक ने थाना परिसर मे लगे झंडे का ध्वजारोहण कर सभी पुलिस कर्मियो को श्रृध्धा, समर्पण, त्याग, अनुशासन, आदि के तहत काम करने की सपध दिलाई, गोला तहसील क्षेत्र के गांव रायपुर मे ग्राम प्रधान शहनाज व उनके पति

शलीम अंसारी ने दोनो उच्च व प्राथमिक विद्यालय मे पहुचकर ध्वजारोहण रोहण कर बंदे मातरम व भारत माता के जयकारे लगाये। ऐसे साथ ही कोटबारा राज के प्रधान सुशील वर्मा ने विद्यालय पहुच कर ध्वजारोहण किया इस अवसर पर बच्चो ने रंगा रग प्रोगामो का आयोजन किया।

मनरेगा घोटाला: काग़ज़ों पर ही आधा दर्जन काम दिखा लाखों का भुगतान निकाले जाने के आरोप

● किसने पास किया स्टीमेट, और किसने की फर्जी एम बी यक्ष प्रश्न

यदि मामले की करायी जाये निष्पक्ष जांच तो रोजगार सेवक से लेकर पंचायत सचिव, टी. ए,और जे.ई समेत ए पी ओ मनरेगा पर गाज गिरना तय

खंड बिकास अधिकारी विजुआ की भी तय होगी जबाब देही

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी मामला विकास खंड विजुआ की ग्राम पंचायत बेलहा सीकटिहा का बताया जाता है जहां पर योगी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति को ताक पर रखकर जमकर सरकारी धन की लूट किए जाने का मामला प्रकाश में आया है।बताया जाता है कि इस खेल में पंचायत सचिव से लेकर खंड बिकास अधिकारी तक शामिल हैं।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत बेलहा सीकटिहा में वित्तीय वर्ष2024-25 में मनरेगा योजना के तहत जमकर धांधली की गई है लगभग आधा दर्जन काम महज काग़ज़ों पर कराकर दसों लाख का भुगतान निकाला गया है।जबकि हकीकत के धरातल पर यह काम हुए ही नहीं है। जब इस मामले पर रोजगार सेवक से लेकर ए.पी. ओ. मनरेगा, जे.ई., टी ए., और खंड बिकास अधिकारी चाही गई तो किसी से भी स्पष्ट जवाब नहीं मिल सका। जिम्मेदारों की चुप्पी मामले को और भी सन्देशहापद बना दिया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कहीं मनरेगा के धन की लूट के इस खेल में सभी की हिस्सेदारी तो नहीं है। वहीं ग्रामीणों का आरोप है जब धरातल पर काम हुआ ही नहीं तो फिर किसने की एम.बी और किसने पास किया भुगतान, और किस सक्षम अधिकारी ने दिया कार्य पूर्ण प्रमाण पत्र अहम सबाल बने हुए हैं।मामले की जांच टीम गठित कर निष्पक्ष जांच कराकर दोषी लोगों के विरूद्ध कार्रवाई किए जाने की मांग की जा रही है।

ग्राम निधि में भी घोटाला किए जाने का मामला बना चर्चा का विषय- ग्राम पंचायत बेलहा सिकटीहा में ग्राम पंचायत सचिव की मिलीभगत से एक ही काम के दो दो बार भुगतान निकाले जाने के आरोपों का सिलसिला थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। लोगों का आरोप है कि शौचालय, आंगनबाड़ी मरम्मत कार्य तथा विद्यालय मरम्मत कार्य में भी कई बार भुगतान निकाला गया है जो जांच का विषय बना है जांच हुई तो कई लोगों पर जांच की आंच आना तय माना जा रहा है।

आखिर किस सक्षम अधिकारी के आदेश से फाइल पर पंचायत सचिव के हस्ताक्षर वगैर कर दिया गया भुगतान- विभागीय सूत्र बताते हैं कि सचिव गोल्डी वर्मा की कई ऐसी फाइल है जिन पर उनके हस्ताक्षर

बनाए वगैर ही भुगतान कर दिया गया है।जो भ्रस्टाचार का मामला प्रतीत होता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पंचायत सचिव ने दो प्राइवेट मुन्शी लगा रखे हैं वही सारा काम सचिव साहिबा का देखते हैं बताया तो यहां तक गया है कि पंचायत सचिव सहाब के डोंगल भी इन्हीं। प्राइवेट मुन्शी गणों के पास ही है। इन्हीं लोगों के द्वारा ही मनमाने ढंग से भुगतान निकाला कर सब मिलकर आपस में बंदर बाट कर लेते है। कहीं इन्हीं लोगों के द्वारा तो नहीं दृद्म ही काम के दो दो बार भुगतान निकाला गया है ।आखिर इन मुन्शी लोगों की सैलरी कौन और कहा से दी जाती हैं। कहीं इन्हीं लोगों के द्वारा तो नहीं किया जाता है काग़ज़ी आंकड़ों की बाजीगरी का खेल?और अपनी आमदनी का जरिया बनाया जाता रहा है स्थानीय लोगों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषी पंचायत सचिव और रोजगार सेवक सहित अन्य जिम्मेदारी पर कार्रवाई की मांग की है।अब देखना यह है इस गंभीर मामले की जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी या फिर यू ही फाइलो में दफन कर दिया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

नैनी इंस्पेक्टर ने गरीब बच्चों को वितरित की मिठाइयां और झंडे

नैनी, प्रयागराज। नैनी क्षेत्र के काशी रामावास योजना में रहने वाले गरीब परिवार के बच्चों के द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे नैनी इंस्पेक्टर ब्रज किशोर गौतम ने बच्चों को झंडे और मिठाइयां वितरित किये। इस दौरान बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे।जहाँ पूरे नैनी क्षेत्र में नैनी इंस्पेक्टर ब्रज किशोर गौतम की इस कार्य की प्रशंसा हो रही है।

77 व गणतंत्र दिवस मनाया गया

नैनी, प्रयागराज। नैनी क्षेत्र के अरैल स्थित देवरख मित्र मंडल सेवा समिति के तत्वावधान में 77 व गणतंत्र दिवस मनाया गया।जिसमें मुख्य अतिथि संजीव शुक्ला ने ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम में विकास मिश्रा अध्यक्ष देवरख मित्र मंडल सेवा समिति देवरख द्वारा आयोजन हुआ। जिसमें उपस्थित लोगों में बालकृष्ण शुक्ला, राजा तिवारी, दिलीप मिश्रा, सुशील यादव कोतवाल, धर्मेंद्र मिश्रा, निखिल पांडेय, राम कृष्ण पांडेय, सुरेंद्र शुक्ला, एडवोकेट हाई कोर्ट पंडित श्यामसुंदर पांडे, कपिल मिश्रा, रवि शर्मा, राम जी यादव, नैतिक शुक्ला,अक्षत पांडे, आदि मौजूद रहे।

नारायणी फॉउण्डेशन द्वारा ध्वजारोहण

नैनी, प्रयागराज। नारायणी फॉउण्डेशन के कार्यालय में गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में मुख्य अतिथि सुशील कुमार दुबे (द्विवेदी सर)द्वारा ध्वजारोहण किया गया।कार्यक्रम में फॉउण्डेशन के सचिव मारुति नन्दन मिश्र, अध्यक्ष पीयूष अग्रवाल, क्षमा अग्रवाल, नीलमा मिश्रा, विनायक, वैभव आनंद, अनुश्री, नारायणी, प्रांजल, तृप्ति आदि अन्य लोग उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 77वां गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर सदर कैंट के ऐतिहासिक चौराहे पर रक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा नामित सदस्य कैंटोनमेंट बोर्ड लखनऊ भाई प्रमोद शर्मा द्वारा कई वर्षो बाद पुनः ध्वजा रोहण किया गया ध्वजा रोहण के बाद नामित सदस्य भाई प्रमोद शर्मा जी द्वारा लड्डू बांटा गया। ध्वजारोहण में मुख्य रूप से सरदार परविंदर सिंह सदस्य अल्पसंख्यक आयोग उत्तर प्रदेश प्रताप सिंह, पापे, सुधीर वैश्य, राजेश शर्मा, धीरज सिंह, अखिल ग्रोवर, रमाकांत सिंह, मनोज गुप्ता, अरुण श्रीवास्तव, मनोज विश्वकर्मा, राकेश शर्मा, विकास अग्रवाल, विकास धानुक, आनंद साहू, महेश जयसवाल, राजेंद्र मेहेर, हेम गुप्ता, अमरिश मिश्रा, मुस्ताक अहमद, मो0 हामिद व गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही आयोजन राजेश कन्नौजिया, राहुल गुप्ता व चंदन प्रकाश द्वारा कराया गया।

सूचना

'सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम छतार पाल आय लगभग 60 वर्ष पुत्र शिवदी मदार माझा परसपुर गोण्डा उ0 प्र0- 271504 का स्थायी निवासी हूँ। मेरी पुत्री का नाम व जन्मतिथि उसके शैक्षिक दस्तावेजों में नाम राजवंती व जन्मतिथि- 06/04/2008 अंकित हो गया है जबकि शपची की पुत्री का बदलकर रखा गया नाम व वास्तविक जन्मतिथि पूजा (POOJA) व जन्मतिथि- 05/09/2011 है। अबसे मेरी पुत्री का सभी जगह कानूनी रूप से नाम पूजा (POOJA) व जन्मतिथि- 05/09/2011 क उपयोग किया जायेगा और इसी नाम से जानी जावेगी।

हमारा संविधान हमारे अधिकार देने के साथ हमारे कर्तव्य भी तय करता है- पीके सिंह

●इफको में गणतंत्र दिवस पर शानदार कार्यक्रम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दया शंकर त्रिपाठी

ब्यूरो प्रयागराज। इफको फूलपुर इकाई के प्रमुख महाप्रबंधक पीके सिंह ने कहा है कि हमारा संविधान हमारे अधिकार देने के साथ हमारे कर्तव्य भी तय करता हैहमारा दायित्व है कि हम अपने कर्तव्यों का इमानदारी से निर्वहन करें तथा देश की प्रगति में योगदान दे। श्री सिंह गण तंत्र दिवस पर इफको घीया नगर में ध्वजारोहण के बाद एक भव्य समारोह को संबोधित कर रहे थे उन्होंने बड़े ही सारगर्भित अपने भाषण में कहा कि सहकारिता के माध्यम से हम राष्ट्र सेवा में क्या योगदान दे सकते है, यह महत्त्वपूर्ण है। प्रबंध निदेशक के.जे.पटेल ने अपने प्रथम आधिकारिक दौरे के दौरान इफको फूलपुर इकाई में विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

इफको फूलपुर इकाई को गत वर्ष सीआईआई अवॉर्ड,सेफ्टी अवॉर्ड तथा पर्यावरण पुरस्कार प्राप्त हुए। ओम बाल विद्या मंदिर तथा केन्दीय विद्यालय के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। सुझाव योजना के अंतर्गत विजेता कर्मचारियों तथा खेलकूद प्रतियोगिता में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। नैनो उर्वरकों का स्वेच्छा से उपयोग करने वाले किसानों जिन्हें सकारात्मक परिणाम मिला तथा बेहतर फसल हुई है को सम्मानित किया गया। इसके पूर्व 77 वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि महाप्रबंधक (इकाई प्रमुख) पी.के.सिंह ने ध्वजारोहण किया तथा राष्ट्रगान गाया गया। न्यूजेन सुरक्षा गार्ड के जवानों, केन्द्रीय विद्यालय स्कॉउट गाइड के बच्चों ने मार्च पास्ट किया।

सीताराम इंटर कालेज स्कॉउट बैण्ड ने देशभक्ति की धुनों पर शानदार प्रस्तुति दी। महिला चेतना क्लब की अध्यक्षा सरिता सिंह व अन्य महिला सदस्यों द्वारा आनंद मेले का आयोजन किया जिसमें विभिन्न व्यंजन-पकवान आदि की व्यवस्था की गई थी जिसका घियानगर परिवार के सदस्यों ने आनंद लिया। कार्यक्रम का संचालन रेखा मिश्रा ने किया। इस दौरान महाप्रबंधक क्रमशः पी.के.पटेल, रत्नेश कुमार,डॉ अनीता

मिश्र, संयुक्त महाप्रबंधक क्रमशः डॉ सत्य प्रकाश, आर.पी.यादव, पी.के.त्रिपाठी, विभागाध्यक्ष मानव संसाधन शम्भू शेखर, मुख्य सुरक्षा अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल गोरख सिंह सेंगर,कोर्डेट प्राचार्य डॉ डी.के.सिंह, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी व महामंत्री स्वयम् प्रकाश,इफको इम्पलाइज संघ के अध्यक्ष पंकज पाण्डेय व महामंत्री विजय कुमार यादव मौजूद रहे।

चिल्ड्रेंस हॉस्पिटल में झंडा रोहण किया गया

नैनी,प्रयागराज चिल्ड्रेंस हॉस्पिटल में सोमवार को गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण किया गया।जिसमें डॉ संतोष गुप्ता MBBS DCH (नवजात शिशु एवं बाल्य रोग विशेषज्ञ), डॉ जयंती प्रभा MBBS MD(पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजिस्ट) ने ध्वजारोहण किया।ध्वजारोहण में हॉस्पिटल के सभी मुख्य स्टाफ मौजूद रहे जिसमें प्रसिद्ध कुमार कुशवाहा, उषा कुशवाहा, मोहित कुशवाहा, अनीश, करन, सिद्धांत आनन्द, अंकित, धीरज, खुशबू कृति, आदि मौजूद रहे।चिल्ड्रेंस हॉस्पिटल में सोमवार को गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण किया गया।जिसमें डॉ संतोष गुप्ता MBBS DCH (नवजात शिशु एवं बाल्य रोग विशेषज्ञ),डॉ जयंती प्रभा MBBS MD(पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजिस्ट) ने ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण में हॉस्पिटल के सभी मुख्य स्टाफ मौजूद रहे आदि मौजूद रहे।

भव्य कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह संपन्न हुआ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। सरस्वती सामाजिक सेवा संस्थान के तत्वावधान में माघ मेले के कैंप में भव्य कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह संपन्न हुआ।यह कार्यक्रम प्रबंधक सचिव कुंवर जी तिवारी की अध्यक्षता में किया गया।मंच संचालन हास्य कवि अशोक बेशरम जी ने किया।जिसमें उपस्थित कवि एवं कवयित्री मुख्य रूप अशोक बेशरम जी, बिहारी लाल अंबर जी, संतोष शुक्ला समर्थ जी, जितेंद्र मिश्र जलज जी,अमित आभास, राधा शुक्ला अपने काव्य पाठ के माध्यम से लोगों को ओत प्रोत किया कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर लोगों ने हिस्सा लिया कार्यक्रम को सफल बनाया।संस्था के द्वारा कवि सम्मेलन के साथ-साथ सम्मान समारोह का भी आयोजन हुआ जिसमें समाज के तमाम समाजसेवी समाजसेविका एवं संस्था के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य गणों का अंग वस्त्र, प्रशस्ति पत्र के साथ- साथ पुष्पों की माला पहनकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में सर्वश्री श्याम नारायण पाठक जी, धीरज यादव, सुनील मिश्रा, एडवोकेट

आत्म प्रकाश यादव, सहदेव चौरसिया, संदीप केसरवानी, सुनील कुशवाहा, विकास मिश्रा, प्रवीण तिवारी, राजित प्रसाद शर्मा, ऋषि दीक्षित, विनोद गोरान, धीरज रजवानी, ओमप्रकाश श्रीवास्तव, डॉक्टर सुनीता विश्वकर्मा ,डॉक्टर संगम लाल विश्वकर्मा, अनिल विश्वकर्मा, ज्ञान प्रकाश मिश्रा, इंदु प्रकाश सिंह, अनुपम पांडे, नीरज पांडे, शशिकांत पांडे, सुनील कुमार पांडे, शिबू सिंह, प्रियांशु उपाध्याय, उज्जवल यादव, गौरव यादव, सनी यादव, सौरव यादव, आर्यन यादव, कार्तिकेय तिवारी, तुलसी तिवारी, शैलेंद्र पाल आदि लोगों ने अपनी कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का लुफ्त उठाया।

गणतंत्र की रक्षा के लिए जिला पंचायत में हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज देश भर में गणतंत्र दिवस पर हर्षोल्लास का माहौल रहा विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी प्रतिष्ठानों में ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गई। इस कड़ी में प्रयागराज की विकास की धारा में सक्रिय भूमिका निभाने वाले जिले के प्रथम नागरिक जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ वी के सिंह जी के निर्देशन में जिला पंचायत प्रयागराज में अपर मुख्य अधिकारी आरती मिश्रा द्वारा ध्वजारोहण किया गया तत्पश्चात समस्त कर्मचारी एवं अधिकारियों के द्वारा नैतिक मूल्यों की रक्षा हेतु। राष्ट्र धर्म का पालन करने के लिए शपथ दिलाई गई, अपर मुख्य अधिकारी ने कहा कि जिला पंचायत प्रयागराज अ के नेतृत्व में विगत पांच वर्षों से जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की अभूतपूर्व यात्रा

पूर्ण कर रहा है जिसके लिए जिला पंचायत प्रयागराज के समस्त कार्मिक धन्यवाद के पात्र हैं सभागार में हुई। सभा के दौरान देश की आजादी में भूमिका निभाने वाले स्वतंत्रता के प्रणेताओं को अपर मुख्य अधिकारी द्वारा श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए तत्पश्चात कनिष्क लिपिक प्रियांशु श्रीवास्तव द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुति पेश की गई, राजस्व निरीक्षक श्री प्रभात शुक्ला ने संविधान के प्रति नैतिक दायित्व की जिम्मेदारी पर अपने वक्तव्य रखें।कार्यक्रम का समापन अपर मुख्य अधिकारी आरती मिश्रा द्वारा समस्त कर्मचारियो को उनके कर्तव्य बोध के प्रति जागरुक करते हुए धन्यवाद ज्ञापन देते हुए अल्पाहार से हुआ। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि आलोक कुमार सहित समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी गण मौजूद रहे। सभा का संचालन राजस्व निरीक्षक विपिन बिहारी लाल गुप्ता ने किया।

गरीब बच्चों को नि:शुल्क भोजन वितरण

●लाइफ लाइन हेल्प चैरिटेबल फाउंडेशन की तरफ से गरीब बच्चों को नि:शुल्क भोजन वितरण कार्यक्रम का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। रविवार को, लाइफ लाइन हेल्प चैरिटेबल फाउंडेशन के द्वारा समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्ग के बच्चों के लिए चक फैजुल्लाह, जेल रोड, मल्हारा फाटक, लेप्रोसी, कासी राम आवास स्थान पर निःशुल्क भोजन वितरण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य गरीब बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना तथा उनके स्वस्थ भविष्य की दिशा में एक सकारात्मक कदम उठाना था।कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में गरीब बच्चों को स्वच्छ एवं पौष्टिक भोजन वितरित किया गया। संस्था के सदस्यों ने बच्चों से संवाद किया और उन्हें शिक्षा व स्वास्थ्य के महत्व के बारे में भी जागरूक किया। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिवक्ता आदिल सिद्दीकी ने बताया कि 'हमारी संस्था निरंतर समाजसेवा के कार्यों में लगी हुई है। गरीब बच्चों को भोजन उपलब्ध कराना हमारा नैतिक दायित्व है। भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे।इस अवसर पर संस्था के स्वयंसेवकों, स्थानीय नागरिकों एवं समाजसेवियों का विशेष सहयोग रहा। संस्था ने सभी सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया और आम जनता से इस तरह के सामाजिक कार्यों में सहयोग करने की

अपील की। समाज के हर जरूरतमंद बच्चे तक भोजन और मुस्कान पहुँचाना ही हमारा लक्ष्य है। इस कार्यक्रम में फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिवक्ता आदिल सिद्दीकी व राष्ट्रीय सचिव एडवोकेट जी क्यू सिद्दीकी, राष्ट्रीय कोषा अध्यक्ष एम के सिद्दिकी, उपाध्यक्ष साहिल सिद्दीकी, आयन, नूर, जैद, हैदर, रवि केसरवानी, और संस्था के कई अन्य लोग मौजूद रहे।

भारत आने वाले समय में बनेगा विश्वगुरू, पूरी दुनिया का करेगा नेतृत्व- उपमुख्यमंत्री

● पुलिस लाइन में फहराया राष्ट्रीय ध्वज।

11 अधिकारी/कर्मचारियों को अति उत्कृष्ठ सम्मान पदक से किया सम्मानित।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दयाशंकर त्रिपाठी।

ब्यूरो प्रयागराज। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को पुलिस लाइन में 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया एवं परेड की सलामी ली। इस अवसर पर म उपमुख्यमंत्री ने वहां उपस्थित लोगो को भारतीय संविधान के उद्देशिका की शपथ भी दिलायी। उपमुख्यमंत्री द्वारा अति उत्कृष्ठ सम्मान पदक से प्रयागराज में नियुक्त कुल 11 अधिकारी/कर्मचारीगण को सम्मानित किया गया, जिसमें उ0नि0 यातायात इन्द्रपाल, मुख्य आरक्षी सुभाष चन्द्र यादव, मुख्य आरक्षी प्रभाकान्त राय, मुख्य आरक्षी अजय कुमार सिंह, मुख्य आरक्षी अभय कुमार, मुख्य आरक्षी उमेश सिंह यादव, मुख्य आरक्षी कमलेश कुमार मौर्य, मुख्य आरक्षी अमित कुमार पाण्डेय, मुख्य आरक्षी दिनेश कुमार सिंह यादव, मुख्य आरक्षी देव चन्द्र भारती एवं प्रधान परिचालक राजेश सिंह को सम्मानित किया गया।

उपमुख्यमंत्री जी ने अभी कुछ दिन पहले वायुसेना के टेञ्नी हेलीकॉप्टर के तालाब में गिरने पर वायुसेना के दो पायलटों को बचाने तथा हेलीकाप्टर को तालाब से बाहर निकालने में अपने अदम्य साहस का परिचय देने वाले श्री आलोक यादव, लाल साहब तथा पंकज को भी सम्मानित किया। इस अवसर पर विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं के द्वारा देशभक्ति से

परिपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए, जिसमें गर्ल्स हाई स्कूल एण्ड कालेज सिविल लाइन्स, प्यारी नन्दन उमरान सिंह स्मारक इण्टर कालेज कर्नलगंज, शकुन विद्या निकेतन नैनी, सेंट जोसेफ कालेज सिविल लाइन्स, आर्यन डांस एकेडमी अखण्ड हिन्द फौज प्रयागराज एवं पुलिस लाइन प्रयागराज के पुलिस परिवार के बच्चों (जिम्नास्टिक प्रदर्शन व सांस्कृतिक कार्यक्रम) द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने उद्बोधन में देश को आजादी दिलाने व गणतंत्र देश बनाने में अपना योगदान देने वाले सभी महानुभावों को नमन किया। कहा कि आज भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका हैं। आज भारत सभी क्षेत्रों में नए मुकाम हासिल कर रहा है। भारत में अनेको प्रकार की समस्यायें थी, कहीं आतंकवाद था, तो कहीं नक्सलवाद था और हमारे देश को चुनौती देने का कार्य किया जा रहा था।।

आतंकवाद को करारा जवाब मिला है। हमारे देश की सेना ने एयरस्ट्राइक, सर्जिकल स्ट्राइक और आपरेशन सिंदूर के माध्यम से आतंकवाद को करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि दुश्मन देश भारत की प्रगति से जलते है। उन्होंने कहा कि आज मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में 25 करोड़ से अधिक लोगो को गरीबी रेखा से बाहर निकालने का काम किया गया है। आज डबल इंजन की सरकार में गरीब को आयुष्मान कार्ड, पक्का मकान, गैस सिलेण्डर, मुफ्त राशन, बिजली, शौचालय की सुविधा मिली है। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान दुनिया का सबसे सर्वश्रेष्ठ संविधान है।

मैं संविधान निर्माता बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर जी को नमन करता हूं। उन्होंने हमें एक ऐसा संविधान दिया, जिसके माध्यम से देशवासियों को ऐसी शक्ति मिली है, जिसके बल पर भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश बना है। आज सभी को न्याय मिल रहा है तथा यहां अभिव्यक्ति की आजादी है। हमारा देश संविधान के अनुसार आगे बढ़ रहा है, तो यह हमारे लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि भारत आने वाले समय में विश्वगुरू बनेगा और पूरी दुनिया का नेतृत्व करेगा। भारत दुनिया की रक्षा करेगा तथा मार्ग भी दिखाने का काम करेगा।

हर्षोल्लास के साथ विगत वर्षो के भांति जेपीएस कंप्यूटर इंस्टिट्यूट व जेपीएस किड्स प्ले पब्लिक स्कूल में मनाया गया 77 वा गणतंत्र दिवस

● थानाध्यक्ष संजय सिंह व अन्य गणमान्य लोगों द्वारा किया गया ध्वजारोहण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेली गुरबख्श गंज स्थित जेपीएस कंप्यूटर इंस्टिट्यूट व सीएस सी बाल विद्यालय (जेपीएस किड्स प्ले पब्लिक स्कूल) में आज 77वा गणतंत्र दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय के संरक्षक अशोक शुक्ला , प्रबन्धक मोहित शुक्ला , डायरेक्टर रोहित शुक्ला तथा इस आयोजन में उपस्थित गुरुबक्सगंज थाना अध्यक्ष संजय सिंह जी साथ ही अन्य गणमान्य लोगों द्वारा झंडारोहण किया गया उसके पश्चात माता सरस्वती की पूजा अर्चना व वीर शहीदों को माल्यार्पण करते हुए इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। प्ले ग्रुप, नर्सरी,

एलकेजी, यूकेजी के बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के नृत्य, देशभक्ति गीत, प्रस्तुत किए गए। अत्यंत उत्साह से भरकर बच्चों ने इस गणतंत्र दिवस के अवसर को मनाया। विद्यालय के डायरेक्टर रोहित शुक्ला ने बताया कि प्रत्येक वर्ष इस राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस पर बच्चों द्वारा अनेकों प्रस्तुतियां दर्शाई जाती हैं जिसका उद्देश्य बच्चों को देश के बलिदानों तथा महापुरुषों के बारे में जानकारी देना है व सभी को 77वे गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस कार्यक्रम में उपस्थित विद्यालय की प्रधानाचार्या छवि बाजपेई ने बताया कि यह दिन हमें स्वतंत्रता, समानता और न्याय का महत्व सिखाता है। हमारे संविधान ने हमें अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों की भी याद दिलाई है। प्रतियोगिताएं हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है जो हमें एक दिन ऊंचाइयों तक ले जाती है तथा गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। साथ ही इस आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक राज सिंह रोहित शर्मा विद्यालय की शिक्षिकाएं आस्था, अमिता, आकृति, श्रेयांशी, हर्षिता, सिमरन,दामिनी, रंजना, पायल, रेहा आदि समस्त स्टॉफ उपस्थित रहे।

माघ मेले में हुडसा द्वारा गंगा स्वच्छता जागरण कार्यक्रम का भव्य आयोजनमाघ मेले में हुडसा द्वारा गंगा स्वच्छता जागरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज माघ मेला प्रयागराज-2026 के अवसर पर हुडसा संस्था द्वारा गंगा स्वच्छता जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व सांसद प्रो. रीता बहुगुणा जोशी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ गंगा स्वच्छता जनजागरण रैली से हुआ। बैंड-बाजे के साथ, गगनभेदी नारों का उद्घोष करते हुए विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक रैली निकाली। रैली हुडसा शिविर से प्रारंभ होकर गंगा अपर मार्ग से होते हुए त्रिवेणी मार्ग तक पहुँची तथा गंगा तट का भ्रमण करते हुए पुनः हुडसा शिविर में संपन्न हुई। मुख्य अतिथि प्रो. रीता बहुगुणा जोशी ने गंगा की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं पर्यावरणीय महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि गंगा केवल एक नदी नहीं, बल्कि भारत की जीवनरेखा और आस्था का प्रतीक है। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं और विद्यार्थियों से गंगा स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया तथा स्वच्छता को दैनिक जीवन का अनिवार्य अंग बनाने पर जोर दिया।

कार्यक्रम के अंतर्गत गंगा स्वच्छता पर स्लोगन एवं पेंटिंग प्रतियोगिता, विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छता संकल्प तथा सामाजिक सहभागिता से जुड़ी विभिन्न जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की गई।

कार्यक्रम में राजकीय इण्टर कॉलेज, जगत तारन गर्ल्स इण्टर कॉलेज, महिला सेवा सदन इण्टर कॉलेज, क्रॉस्थवेट इण्टर कॉलेज, राधारमण इण्टर कॉलेज, आर्य कन्या इण्टर कॉलेज, समदरिया स्कूल दादूपुर सहित अन्य विद्यालयों के चयनित छात्र-छात्राओं की सहभागिता रही। पेंटिंग प्रतियोगिता में क्रॉस्थवेट कॉलेज की तानिया धुरिया ने प्रथम, महिला सेवा सदन इण्टर कॉलेज की प्रसिद्धि सहाय ने द्वितीय तथा जगत तारन गर्ल्स कॉलेज की श्रुति विश्वकर्मा ने तृतीय स्थान हासिल किया।हुडसा के सचिव डॉ. मणि शंकर द्विवेदी ने सभी अतिथियों एवं स्वयंसेवकों का स्वागत तथा आभार ज्ञापन दिनेश तिवारी ने किया।

विशिष्ट अतिथि सक्षम के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कमला कान्त पाण्डेय, मूंछ नर्तक राजेंद्र तिवारी दुकान जी के अलावा डॉ अम्बिका पाण्डेय, सुधीर द्विवेदी, एम पी सिंह, डॉ बबली द्विवेदी, पथ प्रदर्शक से राय साहब, रितिक, आदित्य, कादंबरी द्विवेदी, दिलीप मालवीय, डॉ अब्दुल कादिर,सिद्धार्थ अर्जुन, आवेश अहमद, चित्रा कबीर, बबिता मौर्य, वन्दना विश्वकर्मा, विजय कुमार सिंह, दीपा मालवीया,मनीषा पाण्डेय, आदि गणमान्य जन उपस्थित रहे।

मण्डलायुक्त ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयुक्त कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। मण्डलायुक् सौम्या अग्रवाल ने सोमवार को गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयुक्त कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा राष्ट्रगान के बाद उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भारतीय संविधान के उद्देशिका की शपथ दिलायी। ध्वजारोहरण के बाद मण्डलायुक्त ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी नागरिकों के लिए यह एक बहुत बड़ा दिवस है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान में सभी नागरिकों के लिए समान अधिकार प्रदत्त किये गये है। उन्होंने कहा कि विकास की मुख्यधारा में प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी सुनिश्चित हो, प्रत्येक नागरिक धर्म, जाति, क्षेत्रवाद, सम्प्रदायवाद एवं भाषावाद से ऊपर उठकर अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से निर्वहन करते हुए देश एवं प्रदेश को विकास के सर्वोच्च शिखर पर ले जाने में अपना पूर्ण योगदान प्रदान करें ।

जिलाधिकारी ने गणतंत्र दिवस पर कलेक्टेउ्ट में झण्डा फहराया।

जिलाधिकारी ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर कलेक्टेउ्ट परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा राष्ट्रगान के बाद उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भारतीय संविधान के उद्देशिका की शपथ दिलायी। इस अवसर पर सभी लोगो को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। जिलाधिकारी ने कलेक्टेउ्ट परिसर स्थित महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। उन्होंने संगम सभागार में भारत माता की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित किया।इस अवसर पर जिलाधिकारी ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों को पुष्प एवं शाल देकर सम्मानित किया। जिलाधिकारी ने अपने सम्बोधन में कहा कि 26 जनवरी हमारा राष्ट्रीय पर्व है, मैं इस अवसर पर सभी को राष्ट्रीय पर्व 26 जनवरी की बहुत-बहुत बधाई व शुभकामनाएं देता हूं। जिलाधिकारी ने गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर सभी से अपने देश को आगे बढ़ाने तथा विकसित राष्ट्र बनाने में अपना सहयोग दिए जाने का अनुरोध किया। इस अवसर पर एडीएम प्रशासन श्रीमती पूजा मिश्रा, एडीएम सिटी सत्यम मिश्र, एडीएम नमामि गंगे, एडीएम वित्त एवं राजस्व विनीता सिंह, अपर जिलाधिकारी आपूर्ति, नगर मजिस्टेउ्ट विनोद कुमार सिंह सहित कलेक्टेउ्ट के सभी अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

नागरिक सुरक्षा कार्यालय द्वारा मनाया गया 77 वां गणतंत्र दिवस।

उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा नीरज मिश्रा द्वारा ध्वजारोहण किया गया एवं समस्त कार्मिकों एवं स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय हित में संविधान के नियमों से संबंधित संकल्प दिलाया गया जिसमें संकल्प ग्रहण उपरांत चर्चा में संविधान के नीति निर्देश एवं नागरिकों के अधिकार एवं दायित्व पर विभिन्न प्रखंडों के वरिष्ठ सदस्यों एवं कार्यालय कार्मिकों द्वारा अपने विचार व्यक्त किए गए।